▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 336 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 06-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 लोजपा उप्र में संगठन को मज़बूत करेगी : चिराग पासवान
6 एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर सरकार बनाम सोशल मीडिया
7 रवीना टंडन ने शेयर किया 'वेलकम टू द जंगल' का अनुभव

भाजपा किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं : नितिन गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

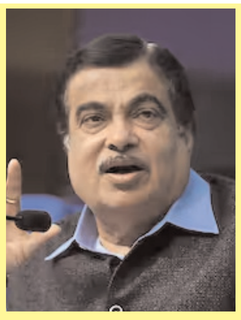

कांग्रेस ने भारतीयत्व, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की अवधारणाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया और जनसंघ को बार-बार जातिवादी तथा सांप्रदायिक पार्टी के रूप में चित्रित किया।

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है और वह सभी धर्मों, जातियों तथा वर्गों को साथ लेकर काम करना चाहती है। गडकरी ने यह भी कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और भाजपा को उन्हीं आदर्शों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। शनिवार को नागपुर में आयोजित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को राष्ट्रीय आदर्शों से जोड़ते हुए भारत को 'विश्वगुरु' बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत केवल हिंदुओं का नहीं, बल्कि सभी भारतीयों का देश है। गडकरी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई और जनसंघ के बारे में गलत धारणाएं फैलाने का काम किया।

उन्होंने विभाजन का जिक्र करते हुए कहा, ''भारत और पाकिस्तान दो देशों का गठन हुआ। इनके गठन के बाद का इतिहास सभी जानते हैं और आज भी हम उसके परिणाम भुगत रहे हैं।'' गडकरी ने कहा, ''आज भी हमारी (भाजपा की) वैचारिक पहचान यही है कि राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रवाद हमारी सामूहिक आस्था, निष्ठा और प्रेरणा है। राष्ट्र के प्रति समर्पण ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन की सबसे बड़ी विशेषता थी लेकिन कांग्रेस और पंडित नेहरू की नीति तुष्टिकरण की थी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए धर्मनिरपेक्षता के नाम पर तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जिससे समाज में धार्मिक विभाजन बढ़ा तथा जातिवाद और सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिला। गडकरी ने कहा, ''हमारा मानना है कि हम सभी एक हैं। हमारे देश में कोई मस्जिद जाता है, कोई बुद्ध विहार, कोई गुरुद्वारा जाता है लेकिन हम सभी भारतीय हैं। हमारी संस्कृति, इतिहास और विरासत एक हैं। हमारी पूजा–पद्धतियां अलग हो सकती हैं लेकिन हमारा संविधान सभी को समान अधिकार देता है।'' उन्होंने दोहराया कि भाजपा किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस ने भारतीयत्व, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की अवधारणाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया और जनसंघ को बार–बार जातिवादी तथा सांप्रदायिक पार्टी के रूप में चित्रित किया। गडकरी ने कहा, ''भाजपा सभी समुदायों, सभी धर्मों और सभी जातियों को साथ लेकर चलना चाहती है। पार्टी के दर्शन में स्पष्ट है कि यह देश हर जाति, पंथ और धर्म के लोगों का समान रूप से है और सभी को समान अधिकार मिलने चाहिए।''

दौरा

जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को अनंतनाग जिले के पहलगाम स्थित नुनवान बेस कैंप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा के प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

फर्स्ट टेक

यमन के तट के निकट लाल सागर में एक मालवाहक जहाज पर हमला : ब्रिटिश सेना

दुबई/एपी। यमन के समुद्री तट के निकट लाल सागर में एक मालवाहक जहाज पर हमला किया गया है। ब्रिटिश सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। 'यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' (यूकेएमटीओ) केंद्र ने यमन के तट के निकट हुए इस हमले की सूचना दी। केंद्र के अनुसार अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने जहाज पर हमला किया। यूकेएमटीओ ने कहा कि संबंधित अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। किसी समूह ने अभी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यमन के हूती विद्रोहियों ने जहाजों पर फिर से हमले शुरू करने की धमकी दी है। हालांकि विद्रोहियों ने अभी तक ऐसे हमले शुरू नहीं किए हैं। हाल के दिनों में सोमाली समुद्री डाकू भी अदन की खाड़ी में दूरवर्ती इलाकों में सक्रिय रहे हैं।

रेल मंत्रालय ने बुलेट ट्रेन सुरंग निर्माण की औपचारिक शुरुआत को टाला

मुंबई/भाषा। रेल मंत्रालय ने शनिवार को खराब मौसम के कारण मुंबई में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सुरंग की खुदाई कार्य की औपचारिक शुरुआत को स्थगित कर दिया, लेकिन साथ ही अधिकारियों को कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई में लगातार बारिश हो रही है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिनों के लिए 'रेड' और 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''खराब मौसम को देखते हुए हमने माननीय रेल मंत्री द्वारा बुलेट ट्रेन परियोजना में पहली बार टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के जरिए भूमिगत सुरंग निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत को स्थगित करने का निर्णय लिया है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, हमने नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) को निर्देश दिया है कि परियोजना में देरी न हो, इसलिए औपचारिक शुरुआत का इंतजार किए बिना कार्य तुरंत शुरू किया जाए।''

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में होसबाले के बयान से सहमत हूं : मोहन भागवत

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जो कहा है, वह उससे सहमत हैं। भागवत ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा, ''होसबाले द्वारा जारी बयान देखिए... मेरी प्रतिक्रिया भी वही है।'' आरएसएस प्रमुख ने एक कार्यक्रम से इतर राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर यह बात कही।

चंपत राय के इस्तीफे पर होगी चर्चा
अयोध्या में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक सोमवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के मठ मणिराम छावनी' में होगी। यह बैठक चढ़ावे में कथित हेराफेरी मामले की जारी जांच के बीच हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर चर्चा हो सकती है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने सभी नियमित और पदेन सदस्यों से चर्चा के लिए मौजूद रहने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि गोपाल दास बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं क्योंकि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल के सूत्रों ने पीटीआई–भाषा' को बताया कि मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास (89) को 29 जून को सांस लेने में तकलीफ और संक्रमण की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था और गत शुक्रवार को उन्हें छुट्टी दे दी गयी। अयोध्या में सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक मणिराम दास छावनी में हो रही है इसलिये नृत्य गोपाल दास के बैठक में शामिल होने की संभावना ज्यादा है क्योंकि यह स्थान दशकों से दास का घर रहा है। वहीं, उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण यात्रा करने में असमर्थ वरिष्ठ न्यासी के. परासरन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार कर सकता है, जिन्होंने चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

बंगाल सरकार तोड़फोड़ से क्षतिग्रस्त संपत्ति की कीमत से तीन गुना अधिक रकम वसूलेगी : शुभेंदु

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य सरकार सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए बने एक नए सख्त कानून के तहत तोड़फोड़ से हुए नुकसान की भरपाई संपत्ति की कीमत से तीन गुना ज़्यादा रकम वसूलकर करेगी। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाने पर भारी आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। भवानीपुर में शनिवार शाम नागरिक समाज और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ हुई एक बैठक में उन्होंने कहा कि सभी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यह विरोध हिंसा या औद्योगिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाने वाला नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आरोपी नुकसान की भरपाई नहीं करते हैं, तो उनकी संपत्तियों की नीलामी करके भी वसूली की जाएगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने 28 जून को कानून–व्यवस्था से जुड़े दो विधेयक पास किए, जिनका मकसद संगठित अपराध और सार्वजनिक अव्यवस्था से निपटने के लिए सरकार की शक्तियों को और बढ़ाना है। ये कानून हैं – ''पश्चिम बंगाल जन सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण अधिनियम 2026 और पश्चिम बंगाल जनव्यवस्था रखरखाव (संशोधन) अधिनियम 2026''।

प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककथा गायन शैली पंडवानी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने वाली प्रख्यात लोकगायिका तीजन बाई का रविवार को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। वह 70 वर्ष की थीं। एम्स रायपुर के एक चिकित्सक ने पीटीआई–भाषा' को बताया कि पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई ने रविवार तड़के सवा तीन बजे आखिरी सांस ली। एम्स में 27 मई से उनका उपचार किया जा रहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर दुख जताया।

मुंबई में भारी बारिश
हवाई अड्डे पर रनवे का संचालन एक घंटे ठप रहा; कुर्ला में एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में रविवार को हुई भारी बारिश के कारण छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन एक घंटे तक प्रभावित हुआ। भारी वर्षा के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया और पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं, जिनमें एक व्यक्ति की जान चली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने महानगर के लिए अत्यंत भारी वर्षा का 'रेड अलर्ट' जारी किया था, जहां पिछले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में 200 मिलीमीटर से अधिक और कुछ स्थानों पर 300 मिमी तक भारी बारिश दर्ज की गई है। सूत्रों ने बताया कि भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अधिकारियों को रविवार को एक घंटे के लिए उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस वजह से इंडिगो की चार उड़ानें रद्द कर दी गईं और विभिन्न एयरलाइन की 13 उड़ानों को नजदीकी हवाई अड्डों पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के कारण जिन 13 उड़ानों का मार्ग बदला गया था, वे बाद में मुंबई में सुरक्षित उतर गईं। अदाणी समूह और भारतीय विमानन प्राधिकरण (एएआई) के संयुक्त स्वामित्व वाले मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा, सुबह लगभग 10.17 बजे, 42 नॉट (77.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) तक की तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने सहित प्रतिकूल मौसम की स्थिति ने हवाई पट्टी के संचालन को प्रभावित किया।

निजी हवाई अड्डा संचालक ने बयान में कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, यात्रियों, विमानों और हवाई अड्डा कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हवाई पट्टी (रनवे) के संचालन को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था। बयान में कहा गया कि मौसम की स्थिति में सुधार के बाद, एक घंटे के भीतर उड़ानों का परिचालन सामान्य हो गया। विमानों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटराडार24.कॉम' के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाली लगभग 90 प्रतिशत उड़ानें औसतन 65 मिनट की देरी से रवाना हो रही थीं और आगमन वाली 45 प्रतिशत उड़ानें देरी से पहुंच रही थीं। सप्ताह के भीतर इस तरह की दूसरी घटना में, कुर्ला इलाके में भारी बारिश के दौरान एक दुकान पर पेड़ गिर जाने से रविवार को 63 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई।

06-07-2026 सूर्यास्त 6:50 बजे	07-07-2026 सूर्योदय 6:00 बजे
BSE 77,763.91 (+ 261.79)	NSE 24,270.85 (+95.15)
सोना 15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 243,505 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दास्तां ए इस्तीफा

किस दम पर घायल विहग उड़े,
मजबूत नहीं कोई डैना।
सचमुच में अब ये कठिन हुआ,
दल की टूटी नैया खैना।
किसने मांगा था इस्तीफा,
किसको इससे लेना–देना।
अब इस प्रचार से यूं लगता,
ये किस्सा ज्यों तोता मैना।।

आपकी सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता - सुरक्षित आवाजाही हेतु पैदल यात्री सबवे

भारत की विकास यात्रा मज़बूत, सुरक्षित और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से आगे बढ़ रही है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधान मंत्री

बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में मंत्री मॉल के पीछे पैदल यात्री सबवे का शिलान्यास

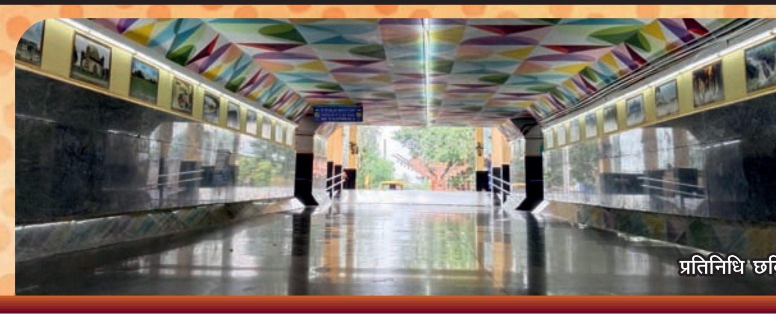

प्रतिनिधि छवि

- बुजुर्गों और बच्चों सहित स्थानीय निवासियों के लिए पैदल चलने वालों की सुरक्षा में सुधार
- स्थानीय लोगों की दीर्घकालिक मांग की पूरी
- अनाधिकृत प्रवेश रोककर ट्रेन का सुरक्षित और समयबद्ध निर्बाध संचार
- पैदल यात्रियों की अनुशासित एवं व्यवस्थित आवाजाही को बढ़ावा देना

द्वारा
वी. सोमन्ना
केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री

सोमवार, 06 जुलाई 2026
मल्लेश्वरम, बेंगलूरु — सुबह 10:00 बजे

सभी सादर आमंत्रित हैं

भारतीय रेलवे
www.indianrailways.gov.in

PUB/268/AAMO/PRB/SWR/2026-27
Follow us on: /RailMinIndia

'समाज के विकास, राष्ट्रनिर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका अहम'

- राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने जांगिड ब्राह्मण महासभा को किया संबोधित
- राष्ट्रीय सामाजिक संगोष्ठी और पुरस्कार समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित सभागार में रविवार को अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक संगोष्ठी और पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत उपस्थित थे। गहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के विकास, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार नीतियां बना सकती है और संसाधन उपलब्ध करा सकती है लेकिन लोगों में जागरूकता, मूल्यों का विकास और समाज में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का कार्य सामाजिक संस्थाओं को ही करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता अपने सांस्कृतिक मूल्यों, ज्ञान विरासत और सामाजिक सद्भाव के आधार पर विश्व के लिए एक मार्गदर्शक है। भारतीय विरासत का संदेश 'आइए हम सब मिलकर चलें, मिलकर सोचें और समाज एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करें' सामाजिक संगठन की आत्मा है। गहलोत ने कहा कि जांगिड़ ब्राह्मण समुदाय ने भारतीय हस्तशिल्प, वास्तुकला, मूर्तिकला और सांस्कृतिक विरासत के विकास में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा, हमें इस समृद्ध विरासत को आधुनिक विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के साथ जोड़ना होगा।राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हर किसी की राष्ट्रीय और सांस्कृतिक जिम्मेदारी है और जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त जीवन और स्वच्छता को एक सामाजिक आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों के लिए शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और भारतीय संस्कृति और पारंपरिक हस्तशिल्प के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर के विशेष कार्यक्रम चलाकर राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनेगी। इस कार्यक्रम में समाज, शिक्षा, उद्योग और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल को मिला 'देश रत्न अवार्ड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं विश्लेषक योगेश कुमार गोयल को नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में देश रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें यह सम्मान उनकी चर्चित पुस्तक 'सागर से अंतरिक्ष तक : भारत की रक्षा क्रांति' के लिए नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने देशभर से आए शिक्षाविदों, चिकित्सकों, पत्रकारों, उद्योगपतियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया। इसी अवसर पर उनकी इसी पुस्तक का विधिवत विमोचन भी किया गया। साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से पत्रकारिता एवं शोधपरक लेखन के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय योगेश कुमार गोयल ने राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण, सामाजिक सरोकारों और समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर अपने सशक्त एवं तथ्यपरक लेखन से विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने वर्ष 1993 में मात्र 19 वर्ष की आयु में नशामुक्ति विषय पर अपनी पहली चर्चित एवं पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखकर साहित्य और जनजागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय शुरुआत की थी।

अब तक 14 हजार से अधिक लेखों तथा कई चर्चित पुस्तकों के माध्यम से उन्होंने जनजागरण और राष्ट्रीय विमर्श को नई दिशा दी है।

स्वर्ण मंदिर में श्रद्धालुओं से मुख्यमंत्री मान की तस्वीर वाले पहचान पत्र हटाने को कहा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के तहत स्वर्ण मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से कहा गया कि वे उन पहचान-पत्रों को हटा दें जिन पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की तस्वीरें हैं। एसजीपीसी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शनिवार को एसजीपीसी कार्य बल ने मंदिर के संगमरमर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं से कहा कि वे गर्भगृह में प्रवेश करने से पहले मान की तस्वीर वाला पहचान-पत्र हटा दें। पिछले महीने, सिखों के धार्मिक नेताओं ने एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर मुख्यमंत्री मान को 'गुरु दोखी' (गुरु-विरोधी) और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित किया था। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था, अकाल तख्त ने इस वीडियो के कारण मान को 'गुरु दोखी' और 'खालसा पंथ विरोधी' करार दिया। हालांकि, मान ने दावा किया कि वीडियो में वह नहीं थे और क्लिप में दिख रहे व्यक्ति ने उनके चेहरे जैसा दिखने वाला मुखौटा पहना हुआ था।

एसजीपीसी के एक पदाधिकारी ने कहा कि गुरुद्वारे में ऐसे पहचान पत्र पहनने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वहां किसी भी तरह के प्रचार की इजाजत नहीं है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें एसजीपीसी कार्य बल ने कई तीर्थयात्रियों से पहचान पत्र हटाने को कहा। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पंजाब के 50 साल से अधिक आयु के निवासी मुफ्त में धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। इससे पहले, एक कथित आपत्तिजनक वीडियो को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया था और अकाल तख्त ने 15 जून को मुख्यमंत्री मान के खिलाफ एक आदेश जारी किया था। यह आदेश तब आया जब अकाल तख्त ने दावा किया कि दो फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं ने उस वीडियो को असली पाया है, जिसमें मान जैसा एक व्यक्ति दिखायी दे रहा है।

यह मामला इस वर्ष जनवरी में उस समय शुरू हुआ था, जब अकाल तख्त ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को तलब किया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने 'गुरु की गोलक' (गुरुद्वारे के दानपात्र) को लेकर टिप्पणी की थी और एक कथित वीडियो क्लिप में सिख गुरुओं तथा चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियां' की थीं।

ऑनलाइन गेमिंग के जरिये व्यक्ति से 1.36 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक ऑनलाइन गेमिंग और निवेश गिरोह की ओर से आकर्षक मुनाफे का झांसा देकर 26 वर्षीय एक युवक से कथित तौर पर 1.36 करोड़ रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर थाने ने तीन वेबसाइट और विभिन्न बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि यह धोखाधड़ी अक्टूबर 2024 से इस साल 30 जून के बीच की गई। अधिकारी के मुताबिक, अज्ञात आरोपियों ने डिजिटल मीडिया मंच के माध्यम से पीड़ित से संपर्क किया और उसे आकर्षक मुनाफा कमाने के लिए ऑनलाइन गेम खेलने के लिए उकसाया। उन्होंने बताया कि पीड़ित से कई वेबसाइट पर पंजीकरण करने और शुरुआती भुगतान करने के लिए कहा गया, जिसके बाद पिछले दो वर्षों के दौरान उसने जालसाजों की ओर से बताए गए बैंक खातों में ऑनलाइन माध्यम से कुल 1.36 करोड़ रुपये अंतरित किए। अधिकारी के अनुसार, जब शिकायतकर्ता ने निवेश की रकम और उस पर मिले मुनाफे को निकालना चाहा, तो वेबसाइट संचालकों ने अस्पष्ट जवाब देना शुरू कर दिया और बाद में उससे संपर्क करना बंद कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामले के सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

मोबाइल स्क्रीन, पारिवारिक मार्गदर्शन की कमी के कारण बच्चे मानसिक तौर पर कमजोर हो रहे : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने युवाओं में मानसिक मजबूती की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि पारिवारिक मार्गदर्शन की कमी और ''अत्यधिक स्क्रीन टाइम' (अधिक समय के लिए मोबाइल, टीवी, लेपटॉप और कंप्यूटर का इस्तेमाल) के कारण बच्चे लगातार कमजोर होते जा रहे हैं।

नागपुर में सनमर्ग माइंड वेलनेस सेंटर' के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि नई पीढ़ी को बातचीत की जरूरत है, और उनके अकेलेपन को दूर करना होगा जो उनके भीतर घर कर जाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समाज को युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरसंघचालक ने उल्लेख किया कि पांडवों के संघर्ष और चुनौतियों जैसी पौराणिक कथाएं कभी युवा मनों को शक्ति प्रदान करती थीं, लेकिन आज की स्थिति बेहद चिंताजनक है।

भागवत ने पूछा, ''12वीं कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए, तो वे आत्महत्या कर लेते हैं। घर में डांट पड़ी, तो वे भाग जाते हैं या कोई आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। मन इस स्थिति में कैसे पहुंच गया?'' उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आज बच्चों को दादी-नानी द्वारा पारंपरिक कहानियों के माध्यम से मार्गदर्शन देने के बजाय, कम उम्र से ही टेलीविजन के सामने छोड़ दिया जाता है या मोबाइल फोन दे दिया जाता है। भागवत ने रेखांकित किया कि दादी-नानी की अनुपस्थिति और माता-पिता द्वारा समय न दिए जाने के कारण बच्चे अलग-थलग और अकेले हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''नई पीढ़ी को बातचीत की जरूरत है। हमें उस अकेलेपन को दूर करना होगा जो उनके भीतर घर कर जाता है, और यदि वे गलतियां कर रहे हैं, तो यह अक्सर हमारे अपने मार्गदर्शन की विफलता है।'

भाजपा के राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस-माकपा पर केरल में 'तुष्टीकरण की राजनीति' करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर 'वोट-बैंक' और 'तुष्टीकरण की राजनीति' करने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर ने कहा कि इन पार्टियों की वजह से राज्य के युवाओं का एक वर्ग 'कट्टरपंथ' की ओर बढ़ रहा है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में चंद्रशेखर ने पहलगाम आतंकी हमले के दौरान एक मलयाली व्यक्ति की हत्या का जश्न मनाने और देश-विरोधी बातें पोस्ट करने के आरोप में केरल के एक युवक की हालिया गिरफ्तारी का जिक्र किया।

उन्होंने सवाल किया, ''एक युवा मलयाली का 'ब्रेनवॉश' कैसे हो जाता है कि वह पहलगाम आतंकी हमले के दौरान अपने ही एक मलयाली साथी की बेरहम और निर्मम हत्या का जश्न मनाने लगता है?'' इस गिरफ्तारी को चेतावनी' बताते हुए भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह कोई एक घटना नहीं है, बल्कि सालों की तुष्टीकरण की नीति, कट्टरपंथ और कांग्रेस-माकपा के 'राजनीतिक पाखंड' का नतीजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने राष्ट्रीय हित के बजाय वोट-बैंक की राजनीति को प्राथमिकता दी, कट्टरपंथी ताकतों को मुख्यधारा में शामिल किया और देशभक्ति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इससे एक ऐसा माहौल बन गया है जहां देशभक्ति पर सवाल उठाए जाते हैं और कट्टरपंथ को सामान्य माना जाता है। उन्होंने ऐसी राजनीति को केरल और देश, दोनों के लिए खतरनाक बताते हुए कहा कि राज्य के युवा नफरत, कट्टरपंथ और बंटवारे के बजाय कौशल, अवसर, नवाचार और देशभक्ति पर आधारित भविष्य' के हकदार हैं।

विशाखापत्तनम तट के पास नौका पलटने के बाद छह मछुआरे लापता

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास खराब मौसम के बीच मछली पकड़ने वाली एक नौका के पलट जाने की आशंका के बाद उसमें सवार छह मछुआरे लापता हो गए, जबकि एक मछुआरे को वहां से गुजर रहे एक क्रूज पोत ने सुरक्षित बचा लिया। मछुआरा संघ के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी।

विशाखापत्तनम फिशिंग बोट्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि लापता मछुआरों के परिजनों द्वारा चालक दल से संपर्क टूटने की सूचना दिए जाने के बाद भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और मरीन पुलिस ने उनकी तलाश के लिए संयुक्त खोज अभियान शुरू किया है।

राव ने बताया, एक मछुआरे को क्रूज पोत ने बचा लिया है, जबकि शेष छह मछुआरों की तलाश के लिए अभियान जारी है।

कांग्रेस के एमएलसी को दल बदलने के लिए 20 करोड़ रुपये की पेशकश की थी : राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) धीरज लिंगाडे को दल बदलने के लिए 20 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी, हालांकि एमएलसी ने इस आरोप से इनकार किया है। राउत ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया, और न ही उन्होंने यह स्पष्ट किया कि लिंगाडे को धन की पेशकश किसने की थी और एमएलसी को किस पार्टी में शामिल होना था।

राउत ने दावा किया, ''आप पार्टी कार्यकर्ताओं, सांसदों और विधायकों को तोड़ रहे हैं... लिंगाडे को 20 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। यह मेरी जानकारी में है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग यह नहीं समझते कि कहां रुकना है, उनका अंत बहुत दुखद होता है। राउत ने कहा कि यह सभी नेताओं पर लागू होता है। जनप्रतिनिधियों की जोड़-तोड़ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''किसी को तो रुकना होगा।'' लिंगाडे ने ऐसी किसी भी पेशकश से इनकार करते हुए कहा कि वह राउत द्वारा किए गए इस दावे से हैरान हैं। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री गिरीश महाजन ने भी राउत के दावे को खारिज कर दिया। महाजन ने कहा कि राउत काल्पनिक आंकड़ों की बात करते रहते हैं।

मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, 'रेड अलर्ट' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई और उसके आस-पास के शहरों में रातभर हुई मूसलाधार बारिश रविवार सुबह कुछ धीमी पड़ गई। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लगातार तेज बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी देते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने लोगों से सतर्क रहने और अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अपील की है।

पिछले 24 घंटे में मुंबई के कई इलाकों में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर 300 मिलीमीटर से भी अधिक वर्षा हुई। अधिकारियों के अनुसार, मेट्रो और बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) की बसों सहित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं रविवार सुबह सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। हालांकि, यात्रियों ने उपनगरीय रेल सेवाओं के कुछ देरी से चलने की शिकायत की है। बीएमसी ने लोगों से परामर्श का कड़ाई से पालन करने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए बीएमसी की हेल्पलाइन पर संपर्क करने की अपील की है। नगरपालिका ने विशेष रूप से निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार अपराह्न तीन बजकर 22 मिनट पर 4.19 मीटर ऊंची लहर उठने की संभावना है, जबकि सोमवार तड़के तीन बजकर 41 मिनट पर 3.51 मीटर ऊंची लहर उठने का अनुमान है। शनिवार को मूसलाधार बारिश ने मुंबई को बेहाल कर दिया। शहर के कई इलाकों में 12 घंटे के भीतर करीब 200 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़कें धंस गईं, पेड़ गिर गए, मकान ढह गए तथा सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। लगातार हो रही बारिश से ठाणे, पालघर, नवी मुंबई और पुणे क्षेत्र में भी जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है जहां भूस्खलन और जलभराव के कारण कई सड़कें अवरुद्ध हो गईं तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि आईएमडी ने रविवार के लिए 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए कुछ स्थानों पर बहुत भारी तथा कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

मुंबई में तेज बारिश के कारण रनवे पर संचालन एक घंटे बंद रहा, उड़ानें हुई प्रभावित

मुंबई/भाषा। मुंबई में रविवार को भारी बारिश और तेज हवा के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी रनवे पर एक घंटे के लिए संचालन रोकना पड़ा, जिससे उड़ान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे का संचालन पूर्वाह्न 10:17 बजे से पूर्वाह्न 11:17 बजे तक बंद रहा। इससे आने और जाने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुईं। यात्रियों को उड़ानों के रवाना होने में औसतन 75 मिनट और गंतव्य तक पहुंचने में कम से कम 28 मिनट की देरी हुई।

उड़ानों का डेटा एकत्र करने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' के अनुसार, हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली 87 प्रतिशत उड़ानें देरी से रवाना हुईं, जबकि 62 प्रतिशत उड़ान देरी से गंतव्य तक पहुंचीं। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने बयान में कहा, पूर्वाह्न लगभग 10:17 बजे भारी बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई थी और 42 नॉट तक की तेज हवाएं चल रही थीं।

इससे रनवे पर संचालन प्रभावित हुआ। तय प्रक्रिया के तहत यात्रियों, विमानों और हवाई अड्डे पर तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रनवे पर संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। बयान में कहा गया है कि मौसम परिस्थितियों में सुधार होने पर एक घंटे बाद रनवे पर संचालन सामान्य रूप से शुरू हुआ।

बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र अवदाब में बदला, ओडिशा व बंगाल में भारी बारिश की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/कोलकाता/भाषा। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का एक स्पष्ट क्षेत्र अब एक अवदाब (गहरे कम दबाव के क्षेत्र) में बदल गया है, जिससे अगले कुछ दिनों में ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो सकती है।

इस घटनाक्रम को देखते हुए ओडिशा के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट के आस-पास के इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र एक अवदाब में बदल गया है। यह बालासोर से दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और दीघा से दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा में 50 किलोमीटर की दूरी पर केंद्रित है। विभाग के अनुसार, इसके अगले एक दिन में चांदबाली और दीघा के बीच उत्तरी ओडिशा तट को पार करने की बहुत अधिक संभावना है। आईएमडी ने संबलपुर, अंगुल, बौध, सोनपुर और कंधमाल में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया, जो रंग आधारित चेतावनी व्यवस्था का सर्वोच्च स्तर है। 19 अन्य ज़िलों में 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया गया, जिसमें लोगों से किसी भी आपदा की स्थिति में कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया, और छह अन्य ज़िलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया। कम दबाव के असर से पांच जुलाई से सात जुलाई के बीच समुद्र के बहुत ज़्यादा अशांत रहने की आशंका है, और मछुआरों को इस दौरान समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। रविवार सुबह 8.30 बजे तक के 24 घंटों में राज्य के लगभग सभी इलाकों में भारी बारिश हुई। सबसे ज़्यादा 276 मिमी बारिश कंधमाल ज़िले के खजूरपाडा में हुई, इसके बाद बोलांगीर ज़िले के तुरईकेला में 264 मिमी बारिश दर्ज की गई। भुवनेश्वर और कटक में क्रमश: 119.4 मिमी और 124.8 मिमी बारिश हुई।

तीजन बाई का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा: मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककथा गायन शैली पंडवानी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने वाली प्रख्यात लोकगायिका तीजन बाई के निधन पर शोक जताया और कहा कि कला जगत में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। तीजन बाई का रविवार को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। वह 70 वर्ष की थीं। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी अद्वितीय कला, ओजस्वी प्रस्तुति और लोक परंपराओं के संरक्षण के माध्यम से उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं पंडवानी गायन को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, कला जगत में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों एवं प्रशंसकों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें। पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई ने रविवार तड़के सवा तीन बजे आखिरी सांस ली। एम्स में 27 मई से उनका उपचार किया जा रहा था। तीजन बाई संयुक्त मध्यप्रदेश और वर्तमान छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से थीं। अपनी दमदार आवाज, मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति और भावपूर्ण प्रस्तुति शैली के लिए प्रसिद्ध तीजन बाई ने पंडवानी को एक क्षेत्रीय लोक परंपरा से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित लोककला का दर्जा दिलाया। पंडवानी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककला है, जिसमें महाभारत के प्रसंगों को प्रभावशाली कथा-वाचन, लोकगायन और संगीत के साथ जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

राम मंदिर में 'लूट' के लिए भाजपा-आरएसएस जिम्मेदार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर के नाम पर दिए गए चढ़ावे से जुड़ी 20,000 करोड़ रुपये की कथित लूट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिम्मेदार हैं। खरगे ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये 'वोट चोरी' करने और परिसीमन का इस्तेमाल करके सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। खरगे ने संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा जहां राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का सहारा ले रही है, वहीं वह चुनावी हेरफेर के जरिये लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी कमजोर कर रही है।

उन्होंने कहा, आपने देखा है कि भगवान के नाम पर कितनी लूट हो रही है। अयोध्या में क्या हुआ? क्या गरीबों ने ऐसा किया? क्या दलितों ने ऐसा किया? क्या किसानों ने ऐसा किया? नहीं। ऐसा आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोगों ने किया। खरगे ने आरोप लगाया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर में करीब 20,000 करोड़ रुपये के चढ़ावे की लूट की गई है। उन्होंने कहा, राम मंदिर के नाम पर चढ़ावे में मिले सोने, चांदी और यहां तक ङ्क्षक ईंटों को भी लूट लिया गया है। वे हर दिन भगवान का नाम जपते हैं, लेकिन भगवान के नाम पर ही लूट करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, हरियाणा और असम जैसे राज्यों में मतदाता सूचियों में संशोधन करके वोट चोरी' कर रही है और सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा/आरएसएस) वोट चुरा रहे हैं। वे भगवान के नाम पर धन लूट रहे हैं। बाबासाहेब आंबेडकर ने इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए ही यह संविधान बनाया था। जब तक आप एकजुट नहीं होंगे और संविधान के प्रति सतर्क नहीं रहेंगे, तब तक आपको न्याय नहीं मिलेगा।

संसद के आगामी मानसून सत्र का जिक्र करते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने वाले उपाय लागू करना चाहती है, जिनमें प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया और 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक शामिल हैं। उन्होंने कहा, वे (केंद्र सरकार) परिसीमन विधेयक लाना चाहते हैं। परिसीमन के जरिये वे संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को अपनी सुविधानुसार फिर से तय करना चाहते हैं, ताकि उनकी सत्ता बरकरार रहे। खरगे ने दावा किया कि भाजपा ने असम में यही किया था और अब वह पूरे देश में ऐसा करना चाहती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने एक बार इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और उन्हें इसे वापस लेने पर मजबूर किया था। पार्टी फिर से लड़ाई लड़ेगी। खरगे ने एक प्रस्तावित कानून का भी जिक्र किया, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन जेल में रहने के बाद अयोग्य ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रस्तावित कानून पर कोई भी रुख अपनाने से पहले इसके प्रावधानों की समीक्षा करेगी।

अंबेडकर को आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक ढांचे का निर्माता बताते हुए खरगे ने कहा कि संविधान ने दलितों, महिलाओं और अन्य वंचित समुदायों को मतदान के अधिकार, शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की गारंटी दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, बाबासाहेब अंबेडकर ने 140 करोड़ भारतीयों की किस्मत लिखी। अगर वह न होते, तो दलितों को राजनीतिक अधिकार, शिक्षा या प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता। उन्हीं की वजह से हर भारतीय को वोट देने का अधिकार मिला। खरगे ने लोगों से संविधान की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने आगाह किया कि अगर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर किया गया, तो लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता खतरे में पड़ जाएगी। खरगे ने बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कल्याणकारी उपायों के कमजोर होने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शासन के बजाय सिर्फ चुनावों पर ध्यान दे रही है। खरगे ने कहा, हमारा मकसद यह होना चाहिए कि कोई भी गरीब व्यक्ति भूखा न रहे। लोगों को काम, भोजन और सम्मान दें। लेकिन भाजपा को सिर्फ वोटों की चिंता है। संविधान की रक्षा करें, क्योंकि वही आपके अधिकारों की सुरक्षा करता है।

बेंगलूरु में घटते जलस्तर के मद्देनजर नागरिकों का सहयोग काफी अहम : बीडब्ल्यूएसएसबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बारिश की कमी एवं घटते भूजल स्तर का हवाला देते हुए बेंगलूरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) ने शहर के कुछ हिस्सों में पानी की कमी की आशंका के बीच पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी की है तथा जल संरक्षण के कुछ कदम उठाए हैं।

बोर्ड ने कहा कि कम बारिश की वजह से कई इलाकों में भूजल का स्तर गिर गया है, इसलिए बेंगलूरु के 1.4 करोड़ लोगों (जिनमें स्थायी निवासी और आने-जाने वाले लोग भी शामिल हैं) को समान रूप से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नागरिकों का सहयोग जरूरी है। इसने बीडब्ल्यूएसएसबी अधिनियम 1964 की धाराओं 33 और 34 के तहत गाड़ियां धोने, बागवानी, निर्माण कार्य, सजावटी फव्वारे और मनोरंजन वाली ऐसी ही चीजों, सिनेमा और मॉल में गैर-जरूरी काम तथा सड़क निर्माण एवं सफाई कार्य जैसे कामों के लिए पेयजल के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने कहा कि इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर अधिनियम की धारा 109 के तहत 5000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

इसने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने पर शुरुआती जुर्माने के अलावा हर दिन 500 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। लोगों से अपील की गई है कि वे नियमों का उल्लंघन नजर आने पर बीडब्ल्यूएसएसबी को 1916 नंबर डायल करके उसकी जानकारी दें। बोर्ड ने एक अलग सार्वजनिक अधिसूचना में मॉल, वाणिज्यिक परिसरों, अपार्टमेंट भवनों, सरकारी दफ्तरों, लग्ज़री होटलों, रेस्तरां और धार्मिक स्थलों समेत सार्वजनिक जगहों के लिए 31 जुलाई, 2026 तक पानी की खपत कम करने के मकसद से नलों पर लफ्लो रेस्ट्रिक्टर या एरेटर लगाना अनिवार्य कर दिया है। बीडब्ल्यूएसएसबी ने चेतावनी दी है कि तय समयसीमा के भीतर ये उपकरण न लगाने पर अधिनियम की धारा 53 के तहत जलापूर्ति में 50 प्रतिशत तक की कटौती की जा सकती है और 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने पर हर दिन 500 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। बोर्ड ने कहा कि जहां संबंधित उपभोक्ता नियमों का पालन नहीं करेगा, वहां वह अधिनियम के नियमों के तहत खुद यह उपकरण लगाएगा और उस उपभोक्ता से इसका खर्च वसूलेगा।

इसने स्विमिंग पूल भरने और उनके रखरखाव के लिए पेयजल के इस्तेमाल पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है। बोर्ड ने कहा कि नियमों का पालन न करने पर स्विमिंग पूल मालिकों के खिलाफ संबंधित थाने में शिकायत भी दर्ज कराई जाएगी। हालांकि, यह रोक उन स्विमिंग पूल पर लागू नहीं होगी जिनका इस्तेमाल राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द हो सकता है : मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने रविवार को संकेत दिया कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द हो सकता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया कि यह विस्तार अगस्त से पहले हो सकता है। नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर जल संसाधन मंत्री एम. बी. पाटिल रेड्डी ने कहा कि यह प्रक्रिया जल्द पूरी हो सकती है, क्योंकि अगस्त में प्रस्तावित विधानसभा सत्र से पहले मंत्रिपरिषद का पूर्ण गठन आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''यह कभी भी, संभवतः जल्द हो सकता है। विधानसभा का सत्र अगस्त में है। सत्र शुरू होने से पहले पूरा मंत्रिमंडल गठित हो जाना चाहिए, क्योंकि फिलहाल करीब 20 विभाग मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के पास हैं। यह जल्द होना चाहिए।''

वर्तमान में कर्नाटक मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 14 मंत्री हैं, जबकि राज्य में अधिकतम 34 मंत्री बनाए जा सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए विधायकों के बीच जोरदार पैरवी जारी है। अपने दावे मजबूत करने के लिए हाल के दिनों में कुछ विधायक दिल्ली भी गए हैं।

एसआईआर ड्यूटी में तैनात अधिकारी की सड़क हादसे में मौत, कर्मचारियों ने काम के दबाव को लेकर किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगी 26 वर्षीय ग्राम प्रशासनिक अधिकारी की सड़क हादसे में शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार एक ट्रक ग्राम प्रशासनिक अधिकारी के दोपहिया वाहन से टकरा गया था। इस घटना के बाद राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने रातभर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर के दौरान काम के अत्यधिक दबाव के कारण उनकी जान चली गई। ग्राम प्रशासनिक अधिकारी भुवना बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की पर्यवेक्षक थीं।

बेंगलूरु ग्रामीण जिले के नीलमंगला तालुक के वरदनायकनहल्ली गांव की रहने वाली भुवना को गुलुरु के पास कुनिगल रोड पर हुए हादसे में सिर में गंभीर चोटें आईं और बाद में सिद्धागंगा अस्पताल में उनकी मौत हो गई। उनके परिजन रमेश के अनुसार, वह शुक्रवार देर रात तक हुई एसआईआर से जुड़ी समीक्षा बैठक में शामिल होने के बाद, सुबह करीब 6.30 बजे फील्ड ड्यूटी के लिए घर से निकली थीं।

इस घटना से राजस्व विभाग के कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया। उन्होंने तुमकुरु उपायुक्त कार्यालय के बाहर रात भर विरोध-प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार दबाव के कारण यह दुखद घटना हुई। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तथा फील्ड स्तर के कर्मचारियों पर अत्यधिक कार्यभार कम करने की मांग की है परिवार वालों ने भुवना की मौत के लिए काम के भारी दबाव को भी ज़िम्मेदार ठहराया।

रमेश ने कहा कि एसआईआर की ड्यूटी की वजह से वह काफी तनाव में थी। उन्होंने कहा, ''कल वह यह कहकर घर से निकली थी कि वह बहुत ज़्यादा दबाव में है। हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन कर्मचारियों के काम के घंटे तय होने चाहिए। उनसे हद से ज़्यादा काम करवाया जा रहा है और फ़ील्ड विज़िट पूरी करने का उन पर बहुत ज़्यादा दबाव है। एक ही कर्मचारी पर बहुत ज़्यादा ज़िम्मेदारी डाल दी गई थी, और इसका असर विभाग के सभी लोगों पर पड़ रहा है।''

रमेश ने भुवना के भविष्य के लिए परिवार की योजनाओं को याद करते हुए कहा कि उसकी शादी की योजना थी और रिश्तेदारों ने हाल में उसके लिए अच्छा रिश्ता ढूंढना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद थी कि उसे एक अच्छा परिवार मिलेगा और उसकी शादी हो जाएगी।

लेकिन आज हम उसके नहीं होने शोक मना रहे हैं।'' राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कर्मचारियों पर बहुत ज़्यादा काम का दबाव डालने के लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपना आंदोलन तेज़ कर देंगे।

तमिलनाडु के मंत्री ने विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री के ए सेंगोट्टैयन ने रविवार को विपक्ष द्वारा टीवीके सरकार पर लगाए गए विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप को खारिज करते हुए पलटवार किया कि राज्य में इसकी शुरुआत द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने की थी और वही यह काम करती है। उन्होंने कहा कि तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार मजबूत और स्थिर है तथा उसे पूर्ण जनसमर्थन प्राप्त है। विपक्षी दल द्रमुक ने शनिवार को सत्तारूढ़ टीवीके पर राजनीतिक बदले की भावना रखने, विधायकों की खरीद-फरोख्त करने और विपक्षी नेताओं को जबरन अपनी पार्टी में शामिल करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

सेंगोट्टैयन ने कुछ विधायकों के साथ सौदा करने के लिए 50 करोड़ रुपये के इस्तेमाल के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, विधायकों की खरीद-फरोख्त के इन आरोपों में बिल्कुल भी दम नहीं है। हमने आज एक मजबूत और बहुत स्थिर सरकार बनाई है। हमारे गठबंधन सहयोगियों ने हमें पूरा समर्थन दिया है। हमें विधायकों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारा गठबंधन मजबूत है और इसे कांग्रेस, वीसीके एवं आईयूएमएल जैसे सहयोगी दलों का समर्थन हासिल है।'' विपक्ष पर पलटवार करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु की राजनीति में 'खरीद-फरोख्त' की शुरुआत और उसे बढ़ावा देने का काम ऐतिहासिक रूप से द्रमुक ने ही किया था। उन्होंने दावा किया कि अतीत में ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की अनीता राधाकृष्णन जैसे नेताओं समेत कई विधायकों को पाला बदलने के लिए प्रेरित किया गया था। मंत्री ने कहा, ''जिन्होंने पहले सिर्फ 96 विधायकों के साथ अल्पमत की सरकार चलाई थी, उन्हें शायद खरीद-फरोख्त की जरूरत पड़ी हो, लेकिन हमें इसकी कोई जरूरत नहीं है। हमारी सरकार पारदर्शी है और इसे जनादेश हासिल है।'' मदुरै में राज्यपाल द्वारा स्वतंत्र समीक्षा बैठक किए जाने से जुड़े विवाद के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि कानूनी बारीकियों के अच्छे जानकार कानून मंत्री गठबंधन की ओर से पहले ही इस पर स्पष्ट जवाब दे चुके हैं।

मुख्यमंत्री विजय जन संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए 10 को करूर आयेंगे

करूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को सरकारी कार्यक्रमों और एक जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए करूर का दौरा करेंगे। टीवीके नेता एम.आर. विजयभास्कर ने रविवार को यह जानकारी दी। विजयभास्कर ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियां चल रही हैं जिसमें 'मक्कल संदिप्पु' (जनसंपर्क) कार्यक्रम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही आधिकारिक कार्यक्रम और आयोजन स्थलों की घोषणा करेगी। पूर्व मंत्री ने अन्नाद्रमुक छोड़ने के अपने हालिया फ़ैसले के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद, जब किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो 25 विधायकों के एक गुट ने सरकार गठन में टीवीके का समर्थन करने का सुझाव दिया।

केरल के स्वास्थ्य मंत्री ने उपयोग में नहीं लाये गये चिकित्सा उपकरणों की खरीदारी की जांच का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों में की गई बड़ी खरीदारी की विभागीय जांच के आदेश दिए यह निर्णय इस रिपोर्ट के बाद लिया गया कि महंगे चिकित्सा उपकरण अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों में बिना किसी उपयोग के पड़े हुए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मुरलीधरन ने कहा कि इस जांच के दायरे में योजना निधि और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना निधि से की गई खरीदारी के साथ-साथ कोविड-19 महामारी के दौरान केंद्र की ओर से उपलब्ध कराये गये चिकित्सा उपकरण भी शामिल होंगे।

एक बयान में उन्होंने कहा कि सरकार को इस संबंध में शिकायत भी मिली थी तथा हाल में जब वह वायनाड चिकित्सा महाविद्यालय गये थे तब भी उन्हें वहां करोड़ों रुपये के उपकरण एक गोदाम में बिना इस्तेमाल के पड़े मिले थे, जिनमें 'मोबाइल मॉर्चरी' भी शामिल थीं। मुरलीधरन ने कहा कि ये मशीनें इतने समय से बिना उपयोग के पड़ी हैं कि अब इस बात को लेकर भी संदेह है कि वे अब इस्तेमाल आ भी सकती हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि जब विभाग को कर्मियों की भर्ती और दवाइयां खरीदने में पैसों की तंगी का सामना करना पड़ रहा था, तब ऐसी खरीदारी क्यों की गई।

मंत्री ने कहा कि इन आरोपों की जांच होनी चाहिए कि कुछ खरीदारी कमीशन कमाने के मकसद से की गई थीं। हालांकि उन्होंने यह अपील भी की कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने बर्बादी के कई उदाहरण दिए, जिनमें तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के बाहर खुली जगह पर पड़ी एक ऑटोक्लेव मशीन' भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान उपलब्ध कराये गये दो ऑक्सीजन सांद्रक तिरुवनंतपुरम के जनरल अस्पताल में बेकार पड़े थे, जबकि सरकार ऑक्सीजन खरीदने पर लाखों रुपये खर्च कर रही थी।

सोने के बदले कर्ज देने वाली कंपनी की कर्मचारी की खुदकुशी के मामले में एक महिला गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम/भाषा। विड़िण्गम में सोने के बदले कर्ज देने वाली एक निजी कंपनी की कर्मचारी की मौत के मामले में रविवार को एक महिला को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि कंपनी में गिरवी रखे सोने के गहनों से जुड़ी अनियमितताओं के बाद कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तिरुवनंतपुरम के पनांगोडे निवासी सिंधु के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, वेंगानूर की रहने वाली अंजू (28) और उसकी दोस्त ऐश्वर्या (34) सोने के बदले कर्ज देने वाली एक कंपनी की अलग-अलग शाखा में काम करती थीं और उन्होंने कथित तौर पर ग्राहकों के गिरवी रखे गए लगभग '70 सॉवरेन' सोना सिंधु को सौंप दिया; सिंधु ने उन्हें कमीशन देने का वादा किया था।

पुलिस ने बताया कि सिंधु ने उन्हें कहा कि गहनों को कम ब्याज दरों पर दूसरे वित्तीय संस्थानों में गिरवी रखा जाएगा और इन लेन-देन से दोनों कर्मचारियों को कमीशन मिलेगा। यह कथित धोखाधड़ी तब सामने आई जब ग्राहकों ने गिरवी रखे अपने गहने वापस मांगे, जिसके बाद कंपनी के प्रबंधन को गड़बड़ियों का पता चला।

पुलिस ने बताया कि अंजू और ऐश्वर्या ने सिंधु से संपर्क किया और उससे वे गहने वापस करने को कहा जो उन्होंने उसे दिए थे। हालांकि, पुलिस के मुताबिक सिंधु ने कथित तौर पर मना कर दिया और कहा कि वह सोना पहले ही बेच चुकी है।

नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें : वाइको

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के महासचिव वाइको ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है।

कोयंबटूर हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में एमडीएमके प्रमुख ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा से जुड़े विवाद पर अपना स्पष्ट रुख व्यक्त किया। वाइको ने कहा, ''मैं इस मांग का पूरी तरह समर्थन करता हूं। धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत अपना इस्तीफा सौंप देना चाहिए।''

वरिष्ठ नेता ने यह संक्षिप्त टिप्पणी उस समय की, जब वह एक निर्धारित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पड़ोसी तिरुपुर जिले जा रहे थे। यह कार्यक्रम आक्रामक रूप से फैलने वाले करुवेलम पेड़ों को हटाने पर केंद्रित है। कोयंबटूर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई आज की बैठक में अपनी भावी रणनीतियों पर करेगी चर्चा

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख मणिकम टैगोर ने रविवार को कहा कि राज्य में उसकी भावी राजनीतिक रणनीतियों, स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों और संगठन के विस्तार पर चर्चा करने के लिए पार्टी की कार्यकारिणी समिति की अहम बैठक छह जुलाई को होगी। टैगोर ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि बैठक में, पार्टी का जनाधार बढ़ाने तथा लंबे समय के लिए टीवीके और वीसीके के साथ अपने धर्मनिरपेक्ष गठबंधन को मजबूती प्रदान करने की स्पष्ट योजनाएं तैयार की जाएंगी। उन्होंने कहा, बैठक में कांग्रेस पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। इसमें स्थानीय निकाय चुनाव और संगठन के विस्तार से जुड़ी अहम घोषणाएं की जाएंगी। हमारा गठबंधन जन-कल्याण और सामाजिक न्याय पर आधारित है तथा हम इसे अगले स्तर पर ले जाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के सिलसिले में केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह सभी के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। (राम मंदिर) ट्रस्ट प्रमुख की नाक के नीचे एक बड़ा संगठित भ्रष्टाचार हुआ है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी हैं। फिर भी, प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट को 'सूचना का अधिकार' कानून के दायरे से बाहर रखने के सरकार के कदम की आलोचना की। उन्होंने इसकी तुलना तमिलनाडु के 'हिंदू धार्मिक और धमार्थ धर्मादा' विभाग से की, जो जनता की निगरानी के जरिए जवाबदेही सुनिश्चित करता है। टैगोर ने तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने आर्लेकर पर ''भाजपा के एजेंट'' के तौर पर काम करने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कहने पर लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को कमज़ोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उनकी यह टिप्पणी राजनीतिक दृष्टि से काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि कुछ ही दिन पूर्व मदुरै सर्किट हाउस में आर्लेकर ने सरकारी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी जिससे विवाद पैदा हो गया था। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना राज्यपाल द्वारा बुलाई गई ऐसी समीक्षा बैठकों में शामिल न हों।

लोक भवन जनता के लिए हमेशा खुला है; मुख्यमंत्री के सामने खुद रखूंगा जनता की समस्याएं : आर्लेकर

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने इस बात पर बल दिया कि लोक भवन के दरवाजे हमेशा जनता के लिए खुले हैं और कहा कि वह मुख्यमंत्री के सामने खुद लोगों की समस्याएं उठाएंगे। शनिवार को यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में राज्यपाल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मदुरै में राज्य के अधिकारियों के साथ उनकी हालिया समीक्षा बैठक को लेकर लोक भवन और सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

मुलाकात

बेंगलूरु के लोकभवन में पश्चिमी नौसेना कमान के ध्वज अधिकारी कमान प्रमुख (एफओसी-इन-सी, डब्ल्यूएनसी) वाइस एडमिरल संजय वत्सयान, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार भेंट की।

भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे क्षेत्रों में अवैध धार्मिक ढांचों को ढहाने के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट कथित अवैध धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई के बाद बाड़मेर और बीकानेर जिलों में विरोध-प्रदर्शन और राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर उचित प्रक्रिया का पालन नहीं करने और चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

राजस्थान उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका के अनुसार, 18 से 20 जून के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित कई गांवों में करीब 12 मस्जिदों को ध्वस्त किया गया। सूत्रों के मुताबिक, इन ढांचों को गोचर भूमि पर अतिक्रमण बताते हुए हटाया गया। यह कार्रवाई सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देशों के तहत की गई।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 27 मई को अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में अवैध निर्माणों के खिलाफ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति लागू करते हुए उन्हें हटाने के निर्देश दिए थे। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि ध्वस्तीकरण अभियान शुरू होने से कुछ समय पहले ही नोटिस दिए गए, जिससे जवाब देने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला। सियाई गांव के निवासी अब्दुल सिंधी ने कहा, कम से कम हमें पहले चेतावनी तो दी जानी चाहिए थी। हम नियमों का पालन कर लेते या जुर्माना भर देते। बाड़मेर के केरकोरी गांव में ध्वस्त की गई एक मस्जिद के स्थानीय मौलवी हिशामुद्दीन सिंधी ने कहा कि यह मस्जिद कई दशकों से उपयोग में थी। उन्होंने कहा, इसे हमने बड़ी मुश्किल से बनाया था। 10 किलोमीटर के दायरे में यही एकमात्र मस्जिद थी। अब लोग नमाज पढ़ने के लिए कहां जाएंगे?

इन घटनाओं के विरोध में बाड़मेर के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुए। 'सर्व धर्म शांति सभा' के बैनर तले हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने संयुक्त रूप से मार्च निकाला और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। सामुदायिक सौहार्द का उदाहरण पेश करते हुए स्थानीय निवासी हरला राम मेघवाल ने कहा, हम अपने मुस्लिम भाइयों के साथ खड़े रहे। जब उन्होंने विरोध स्वरूप खाना बनाना बंद कर दिया तो हमारे समाज के लोगों ने उन्हें भोजन उपलब्ध कराया।

कुछ ग्रामीणों ने कार्रवाई की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। परड़िया के सरपंच सोरता राम मेघवाल ने कहा, यदि सरकार अतिक्रमण हटाना चाहती है तो सभी अवैध निर्माणों पर समान कार्रवाई होनी चाहिए। कार्रवाई पक्षपातपूर्ण नहीं दिखनी चाहिए। मामला अब राजस्थान उच्च न्यायालय में पहुंच गया है, जहां याचिकाकर्ताओं ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई को चुनौती दी है।

राज्य सरकार ने अपने पक्ष में कहा है कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और सीमा क्षेत्र में किसी भी निर्माण के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य है। उच्च न्यायालय इस मामले में अगली सुनवाई सात जुलाई को करेगा। इस बीच, विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। वहीं, सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधियों का कहना है कि कार्रवाई केवल अवैध अतिक्रमण के खिलाफ की गई है, किसी धर्म विशेष को निशाना नहीं बनाया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीमा क्षेत्रों में धार्मिक ढांचों को ढहाए जाने की घटनाओं पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, ऐसी कार्रवाइयों का सांप्रदायिक शांति पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है और इस पर संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने हाल ही में बीकानेर में भी विरोध-प्रदर्शन किया था। वहीं, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने इस पूरे मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

राजस्थान में मानसून पूरी तरह सक्रिय, कई जिलों में भारी बारिश के आसार, अगले सप्ताह तक बरसेंगे बादल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण-पश्चिमी मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पिछले दो-तीन दिनों से राज्य के कई जिलों में मेघगर्जन, तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान के कई क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आगामी सप्ताह के लिए जारी पूर्वानुमान में राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां जारी रहने की संभावना जताई है। राजस्थान मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मानसून पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों तक पूर्वी राजस्थान में अच्छी बारिश होने की संभावना है, जबकि राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में मानसून सक्रिय रहेगा और वातावरण में नमी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों को छोड़कर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक आंधी और बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। मानसून की सक्रियता के कारण अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा उदयपुर, अजमेर और झुंझुनूं से होकर गुजर रही है। अगले दो से तीन दिनों में इसके राज्य के शेष हिस्सों में भी आगे बढ़ने की संभावना है, जिससे बारिश का दायरा और बढ़ेगा।

विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और ओडिशा तट के आसपास बने कम दबाव के क्षेत्र तथा दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान से गुजर रही मौसमी ट्रफ लाइन के कारण प्रदेश में नमी बढ़ी है और वर्षा की गतिविधियों को मजबूती मिली है। पूर्वानुमान के अनुसार उदयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर और जयपुर संभाग के कई क्षेत्रों में मेघगर्जन के साथ मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। वहीं कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 5 से 7 दिनों तक जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग में मानसून के सक्रिय बने रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। प्रशासन ने नदी-नालों और निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। इसके अलावा जोधपुर और बीकानेर संभाग के कई हिस्सों में भी आने वाले दिनों में आंधी और बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने देवास चरण-तृतीय पेयजल परियोजना का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने शनिवार को उदयपुर शहर की दीर्घकालीन पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निर्माणाधीन देवास चरण- तृतीय एवं चरण-चतुर्थ पेयजल परियोजना का दौरा कर निर्माणाधीन टनल एवं बांध कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग द्वारा कटारिया का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। राज्यपाल कटारिया सर्वप्रथम उंडीथल स्थित निर्माणाधीन टनल-तृतीय स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने सुरंग निर्माण कार्य की प्रगति, निर्माण तकनीक, सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं गुणवत्ता का अवलोकन किया। विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों ने उन्हें परियोजना की वर्तमान प्रगति, तकनीकी विशेषताओं तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इसके उपरांत उन्होंने नाल स्थित निर्माणाधीन देवास चरण-तृतीय बांध का निरीक्षण कर विभिन्न निर्माण गतिविधियों एवं परियोजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान उन्होंने टनल निर्माण स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा विकास कार्यों के साथ प्रकृति का संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान परियोजना की प्रमुख तकनीकी विशेषताओं से भी माननीय राज्यपाल को अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि देवास चरण- तृतीय बांध की जल भंडारण क्षमता 703 एमसीएफटी तथा देवास चरण-चतुर्थ बांध की क्षमता 390 एमसीएफटी है। दोनों परियोजनाओं से प्रतिवर्ष 1000 एमसीएफटी पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत कुल 14.65 किलोमीटर लंबी सुरंग (देवास-चतुर्थ से देवास- तृतीय - 4.15 कि.मी. एवं देवास- तृतीय से देवास- द्वितीय 10.50 कि.मी.) का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 1690.55 करोड़ लागत वाली यह परियोजना उदयपुर शहर की भावी पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कटारिया ने परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विभागीय अधिकारियों ने उन्हें प्रस्तावित पुनर्वास स्थलों पर विकसित की जा रही आधारभूत सुविधाओं, आवासीय भूखंडों, सड़क, पेयजल, विद्युत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन का कार्य पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। कटारिया ने परियोजना को उदयपुर के भविष्य की जल सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके पूर्ण होने से उदयपुर शहर को लंबे समय तक स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही पिछोला, फतहसागर झीलों के जलस्तर को बनाए रखने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उदयपुर के पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन संवर्धन एवं समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता, सुरक्षा एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर गोगुंदा विधायक प्रताप गमेती, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जल संसाधन विभाग की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता वीरेन्द्र सागर, अधीक्षण अभियंता मनोज जैन, अधिशासी अभियंता बीरबल डूडी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे। राज्यपाल ने परियोजना के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों, जिला प्रशासन तथा निर्माण एजेंसी के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना उदयपुर शहर की दीर्घकालीन जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण, झीलों के संवर्धन एवं भावी विकास की आधारशिला सिद्ध होगी।

जोधपुर में कवि शैलेष लोढ़ा की बेटी की शादी होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। कवि एवं अभिनेता शैलेष लोढ़ा की बेटी स्वरा लोढ़ा की शादी 6 जुलाई को जोधपुर में होगी। शादी समारोह की रस्में शुरू हो चुकी हैं। 'संस्कृति स्वर' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए। वे पचपदरा से सीधे जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने लोढ़ा परिवार से मुलाकात कर वर-वधू को शुभकामनाएं दीं। स्वरा और शाश्वत की शादी उम्मेद भवन पैलेस में होगी। शादी समारोह में शामिल होने के लिए मेहमानों का आना शुरू हो चुका है। सभी मेहमानों को उम्मेद भवन पैलेस में ठहराया गया है, जहां पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति के साथ उनका भव्य स्वागत किया जा रहा है। स्वरा लोढ़ा लेखिका हैं

शैलेष लोढ़ा की बेटी स्वरा लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं और अपनी निजी जिंदगी को काफी निजी रखती हैं। उन्होंने अपनी मां डॉ. स्वाति लोढ़ा के साथ मिलकर '54 ठशरीपी थहू झरीशर्पीी ईीलझ!' नामक पुस्तक भी लिखी है।

निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की भिड़ंत, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रविवार को सूरतगढ़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर एक निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, हादसा केंचियां कस्बे के निकट उस समय हुआ जब एंबुलेंस एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे सेना के ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस में एक महिला मरीज को जयपुर के एक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद परिजन घर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद राजमार्ग पर कुछ समय तक यातायात भी बाधित रहा। पुलिस ने मृतकों की पहचान लक्ष्मी देवी (26), एंबुलेंस चालक सतनाम सिंह (26) और महेंद्र कौर (56) के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि हादसे में रामप्रकाश और राजवीर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि शव पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिए गए। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस बीच, सेना ने एक बयान जारी कर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि घटना की जांच के दौरान वह नागरिक प्रशासन को पूरा सहयोग दे रही है।

देवनानी ने की असम के मुख्यमंत्री और स्पीकर से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात हुई। भेंट के दौरान स्पीकर देवनानी ने मुख्यमंत्री डॉ. सरमा को 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' पुस्तक की प्रति भी भेंट की। देवनानी ने राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन, सुशासन, जनकल्याण, विकास तथा समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने राजस्थान विधानसभा में उनके नेतृत्व में किए गए विभिन्न नवाचारों की जानकारी भी साझा की। दोनों के बीच लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई।

देवनानी ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। देवनानी की असम स्पीकर दास से भेंट राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की असम विधानसभा में स्पीकर रंजीत कुमार दास से भेंट हुई। दोनों विधानसभा अध्यक्षों के बीच भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने, संसदीय संस्थाओं की गरिमा एवं प्रभावशीलता, विधायी कार्यों की गुणवत्ता, संसदीय परंपराओं के संरक्षण एवं समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप उनके सुदृढ़ीकरण, विधानसभा की कार्यप्रणाली में नवाचार, डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभावी समावेश तथा जनभागीदारी को बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी साझा करते हुए दास को बताया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता से जोड़ने, संसदीय गरिमा को सुदृढ़ करने तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से अनेक अभिनव पहलें की गई हैं।

देवनानी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुदृढ़ता विधायी प्रक्रिया तक सीमित न रहकर यह जनविश्वास, पारदर्शिता, नवाचार और संसदीय मूल्यों के सतत संवर्धन से भी जुड़ी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के बीच अनुभवों, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों और नवाचारों का निरंतर आदान-प्रदान भारतीय लोकतंत्र को और अधिक समृद्ध, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

देवनानी ने त्रिपुरा प्रवास के दौरान त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के किये दर्शन

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने त्रिपुरा प्रवास के दौरान गोमी जिले स्थित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन एवं विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।

स्पीकर देवनानी ने इस दौरान राष्ट्र की सुख-समृद्धि, जनकल्याण, शांति एवं निरंतर प्रगति की कामना की। देवनानी ने कहा कि माँ त्रिपुरासुंदरी की असीम कृपा से प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुख, शांति, शक्ति और समृद्धि का वास हो तथा भारत निरंतर विकास और वैभव के पथ पर अग्रसर रहे। इस दौरान देवनानी ने मंदिर की दिव्य एवं आध्यात्मिक गरिमा का अनुभव करते हुए माँ के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

राजस्थान की औद्योगिक व आर्थिक प्रगति का नया अध्याय है एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी : अविनाश गहलोत

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रदेश के बालोतरा जिले के पचपदरा से भारत की प्रथम ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित की। इस अवसर पर चूरू जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम व जिला स्तरीय रोजगार उत्सव आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम वीसी के जरिए पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम से जुड़ा रहा।

इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी निश्चय प्रसाद एम सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अविनाश गहलोत ने कहा कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का नया अध्याय है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई गति देगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर भी सृजित करेगी।

राजस्थान में स्थापित इस ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से देश की ईंधन क्षमता सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने रिफाइनरी के इंजीनियरिंग और निर्माण की उत्कृष्टता की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान की रेतीली धरती पर इस परियोजना का निर्माण अद्वितीय इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सहकार सप्ताह में युवाओं के लिए सहकारिता एवं भारत टैक्सी सेवा पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकार सप्ताह के छठवें दिन सहकार भवन में युवाओं के लिये सहकारिता की महत्ता एवं भारत टैक्सी सेवा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ङ्की अध्यक्षता एसएलडीबी (डडउइ) के प्रबंध निदेशक जितेंद्र शर्मा ने की । इस दिन को यूथ दिवस (युवा दिवस) के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

शर्मा ने बताया कि भारत टैक्सी भारत की अपनी टैक्सी है। इस सेवा में कोई भी विदेशी प्रदाता सम्मिलित नहीं है। इस स्वदेशी टैक्सी ऐप ने बहुत कम समय में बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। उन्होंने बताया कि भारत टैक्सी एप्प से पहली राइड बुकिंग करने पर उपभोक्ता को अमूल आइसक्रीम का एक विशेष कूपन जारी किया जायेगा, जिसे ब्लिंकिट से मंगवाया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि भारत टैक्सी सेवा एक किफायती एवं सुरक्षित सेवा है, जिसमें किराया अन्य सेवा प्रदाताओं की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम है। भारत टैक्सी का किराया सर्ज फ्री प्राइसिंग पर आधारित है और इसमें टैक्सी ड्राइवर के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हितों को सुरक्षित किया गया है।

भारत टैक्सी के नोडल अधिकारी भोमाराम ने कहा कि उपभोक्ता द्वारा भारत टैक्सी की बुकिंग को किसी कारण से केन्सिल भी करना पडता है तो उससे किसी प्रकार का कैंसिलेशन चार्ज वसूला नहीं जायेगा। महिला की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने एवं उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिये महिला ड्राइवर्स को भी रोजगार के विशेष अवसर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर ड्राइवर्स का पुलिस वेरिफिकेशन पूर्ण होने पर ही उन्हें भारत टैक्सी सेवा से जोडा गया है। भारत टैक्सी सेवा जीरो कमीशन मॉडल पर काम करता है, जिससे ड्राइवर्स को उनकी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा तथा उपभोक्ताओं को भी कम मूल्य पर बेहतर, सुरक्षित एवं विश्वसनीय सेवा मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सहकारिता और स्वदेशी के इस अनूठे संगम की सराहना की गई और युवाओं से इस स्वदेशी मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया गया।

नितिन नवीन ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों व राजग सहयोगियों के साथ की बैठक, 2027 की चुनावी रणनीति पर मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और उत्तर प्रदेश भाजपा प्रमुख पंकज चौधरी रविवार को लखनऊ में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होते हुए।

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक कर 2027 में प्रस्तावित उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा की। लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर आए भाजपा अध्यक्ष ने अपने कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ 'चाय पर चर्चा' से की।

इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उनसे मुलाकात कर उनका स्वागत किया। चौधरी ने 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''अध्यक्ष जी के नेतृत्व में संगठन निरंतर नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन में भाजपा उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार अवश्य जीतेगी।''

भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ हुई बैठक में उनके संगठनात्मक अनुभवों को साझा किया गया और 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों की इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय कटियार मौजूद नहीं थे। पंकज चौधरी ने कहा, ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में (मैं) सहभागी बना। वर्षों के उनके संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली से मिली सीख संगठन को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के प्रयासों में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगी।''

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ 'चाय पर चर्चा' की गई। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री मौर्य ने पत्रकारों से कहा, हमने जो काम किया है, उसके आधार पर भाजपा 2027 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। प्रदेश की जनता गुंडाराज, माफियाराज, वंशवादी राजनीति या दंगे नहीं चाहती। वह विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है। उन्होंने कहा कि जनता ने यह तय कर लिया है कि यदि उत्तर प्रदेश में कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) ''खिलेगा'' तो राज्य और उसके लोग समृद्ध होंगे। मौर्य ने कहा, ''अगर समाजवादी पार्टी की साइकिल' (सपा का चुनाव चिह्न) फिर से आती है, तो वह जनता को कुचलेगी, डराएगी और भूमि कब्जाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। इसलिए अखिलेश यादव को कोरी कल्पनाओं में नहीं खोना चाहिए।

बदरीनाथ में श्रद्धालुओं के चढ़ावे, दान के प्रबंधन मे हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने चार सदस्यीय समिति गठित की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समिति ने सोशल मीडिया पर वायरल आरोपों का संज्ञान लिया है। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) सोहन सिंह रांगड़ ने रविवार को बताया कि समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए समिति का गठन किया है और उसे सभी उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण कर एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि गठित जांच समिति सीसीटीवी फुटेज, संबंधित व्यक्तियों के बयान तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विस्तृत जांच करेगी।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोपों के बाद अब बदरीनाथ मंदिर में सामने आए इस मुद्दे को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बदरीनाथ धाम से जुड़े आरोपों को गंभीर बताते हुए पुष्कर सिंह धामी की सरकार पर निशाना साधा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गोदियाल ने कहा कि राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने से सनातनी धर्मावलंबी आहत हुए हैं और इस मामले में राज्य सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

गोदियाल ने शनिवार को बागेश्वर के बागनाथ मंदिर परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ राम मंदिर और बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं के विरोध में मौन भी रखा था। इससे पहले शुक्रवार को बीकेटीसी अध्यक्ष द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर उनके 'निजी सचिव' के रूप में प्रचारित किए जा रहे कर्मचारी को लेकर स्थिति स्पष्ट की थी और कहा था कि संबंधित व्यक्ति उनका निजी सचिव नहीं, बल्कि मंदिर समिति का नियमित सरकारी कर्मचारी है। उन्होंने कहा था कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रांगड़ ने कहा कि दो जुलाई को बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के सोशल मीडिया पर वायरल आरोपों का संज्ञान लिया गया और मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, लेकिन उपलब्ध फुटेज पूरी तरह से स्पष्ट नहीं था।

उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल बीकेटीसी अध्यक्ष को अवगत कराया गया। रांगड़ ने बताया कि इसके अलावा, संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। रांगड़ ने कहा कि जांच समिति की रिपोर्ट में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम, 1939 तथा कर्मचारी आचरण नियमों के तहत सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने श्रद्धालुओं और आमजन से अपील की कि जांच पूरी होने तक अपुष्ट अथवा भ्रामक सूचनाओं का प्रसार न करें, क्योंकि यह मामला देश के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक तथा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है।

राम मंदिर में चढ़ावे की 'चोरी' पर विपक्षी नेताओं के दावों की जांच करे पुलिस : विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अयोध्या पुलिस को पत्र लिखकर राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर कांग्रेस नेता एवं सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत कई विपक्षी नेताओं द्वारा किए दावों की जांच करने और उनके द्वारा लगाए आरोपों को साबित करने के लिए उन्हें तलब करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विहिप ने मांग की कि यदि यह पाया जाता है कि इन नेताओं ने घृणा, दुर्भावना और वैमनस्य की भावना पैदा करने तथा उसे ''बढ़ावा देने'' के उद्देश्य से ''बेबुनियाद आरोप'' लगाए हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने मामले के जांच अधिकारी और अयोध्या के पुलिस उपाधीक्षक आशुतोष तिवारी को चार जुलाई को लिखे पत्र में कहा कि इन नेताओं ने कुछ विशेष आरोप लगाए हैं, जिन्हें टेलीविजन चैनलों, सोशल मीडिया मंचों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए व्यापक पैमाने पर प्रसारित किया गया है। उन्होंने जांच अधिकारी से इन नेताओं को बुलाकर उनके दावों का तथ्यात्मक आधार, सूचना का उनका स्रोत और आरोपों के समर्थन में मौजूद दस्तावेज या अन्य सामग्री पेश करने के लिए कहने का आग्रह किया। कुमार ने कहा कि इन नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कुछ विशेष आरोप लगाए हैं और 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से जुड़े निश्चित आंकड़े भी बताए हैं। पत्र में कहा गया, उपरोक्त और अन्य व्यक्तियों द्वारा लगाए गए आरोपों से यह विश्वास होता है कि वे मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित हैं। कुमार ने उनके सार्वजनिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रियंका गांधी ने सवाल किया था कि क्या केवल कनिष्ठ कर्मचारी ही सीसीटीवी कैमरे बंद कर हजारों करोड़ रुपये के चढ़ावे में हेरफेर कर सकते थे या इसमें प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं। कुमार ने कहा कि केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भगवान राम की माला, चरण पादुका, हीरे, आभूषण, चांदी की ईंटें और दीपक के अलावा करीब 200 करोड़ रुपये की नकदी चोरी हुई है तथा उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की चुप्पी पर भी सवाल उठाया था।

अयोध्या मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

आरोपियों में शिक्षक, कार मैकेनिक और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में प्राथमिक विद्यालय का एक शिक्षक, एक पूर्व कार मैकेनिक, एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी, दान की गिनती करने वाले ठेके के कर्मचारी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का भरोसेमंद सहयोगी शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग पेशे और सामाजिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद, आरोपियों ने मंदिर के दान प्रबंधन व्यवस्था में अपनी भूमिका का फायदा उठाकर समय-समय पर चढावे की नकदी को हड़प'' लिया। विशेष जांच दल उनके वित्तीय लेनदेन, संपत्ति और इस कथित साजिश में उनकी अलग-अलग भूमिकाओं की जांच कर रहा है।

गिरफ्तार लोगों में शिक्षक अविनाश शुक्ला भी शामिल हैं, जिन्हें चढ़ावे की गिनती के दौरान नकदी के मिलान का काम सौंपा गया था। पुलिस सूत्रों का दावा है कि उनसे जुड़ी जगहों से 20 लाख रुपये से ज़्यादा नकद, विदेशी मुद्रा और गहने बरामद किए गए हैं, जो सभी आरोपियों में सबसे बड़ी बरामदगी है।

पूछताछ के दौरान, अविनाश ने कथित तौर पर बताया कि कैसे सीसीटीवी के 'ब्लाइंड स्पॉट' (जो कैमरे की कवरेज में नहीं हैं) का फायदा उठाकर और कुछ समय के लिए शौचालय में नकद छिपाकर गिनती केंद्र से नोट निकाले जाते थे।

अन्य आरोपी अनुकल्प मिश्रा, एक आउटसोर्सिंग एजेंसी के जरिए मंदिर की दान-गिनती इकाई में ठेका कर्मी के तौर पर काम करते थे। अयोध्या के मिल्कीपुर इलाके के बसावन गांव के रहने वाले अनुकल्प कथित तौर पर महीने में लगभग 15,000 रुपये कमाते थे।

पुलिस अनुकल्प की कथित तौर पर बनाई गई संपत्ति की जांच कर रही है, जिसमें लगभग 65 लाख रुपये कीमत का घर, अपने गांव में एक फार्म हाउस, एक प्रीमियम मोटरसाइकिल और बुक की गई महंगी कार शामिल है। पुलिस का मानना है कि ये चीजें उनकी ज्ञात आय के मुकाबले बहुत ज़्यादा हैं। उनसे जुड़ी तलाशी के दौरान कथित तौर पर लगभग 16.8 लाख रुपये नकद बरामद किया गया।

पुलिस मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा के साथ उनके कथित पारिवारिक रिश्ते और सह-आरोपी व जीजा लवकुश मिश्रा के साथ उनकी करीबी दोस्ती की भी जांच कर रही है। लवकुश मिश्रा को भी दान की गिनती के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी के ज़रिए रखा गया था, वह पहले ऑटोमोबाइल मैकेनिक के तौर पर काम करते थे और महीने में लगभग 10,000-12,000 रुपये कमाते थे। मिनापुर फगौली गांव के रहने वाले इस व्यक्ति ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि वह दान की रकम के गबन में शामिल थे और पुलिस उनके अनुकल्प मिश्रा के साथ संबंधों और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा के साथ कथित पारिवारिक संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान लवकुश के पास से करीब 14.25 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान की 80वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान का भव्य स्वागत कर उन्हें माला पहनाई गई।

लोजपा उप्र में संगठन को मज़बूत करेगी : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मज़बूत करने की कोशिशों के तहत इस साल लखनऊ में पार्टी संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती मनाने का फ़ैसला किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का जन्म पांच जुलाई 1946 को बिहार के खगड़िया में हुआ था। पत्रकारों से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी दिवंगत रामविलास पासवान के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए देश भर में अपने संगठनात्मक आधार को बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा,''पार्टी ने इस साल लखनऊ में हमारे संस्थापक, मेरे नेता और मेरे पिता, दिवंगत रामविलास पासवान की जयंती मनाने का फ़ैसला किया है। इस कार्यक्रम के ज़रिए हमारा मकसद संगठन में नई ऊर्जा भरना और उत्तर प्रदेश में पार्टी को मज़बूत करना है।'' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल के नेता चिराग ने कहा कि लोजपा (रामविलास) ने पहले ही बिहार में मज़बूत उपस्थिति बना ली है और झारखंड व नगालैंड में उसके विधायक हैं, साथ ही वह कई पूर्वोत्तर राज्यों में भी अपना दायरा बढ़ा रही है। चिराग़ पासवान ने कहा, ''इसी सोच के साथ, हमने उत्तर प्रदेश में संगठन को मज़बूत करने का लक्ष्य रखा है। आने वाले दिनों में प्रदेश इकाई के नेतृत्व में राज्य के अलग-अलग ज़िलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।'' इस सवाल पर कि क्या पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ेगी और गठबंधन की रणनीति क्या होगी, पासवान ने कहा कि पार्टी चुनावी मैदान में उतरने की इच्छुक है, लेकिन सीट-साझेदारी और गठबंधन पर फैसला प्रदेश इकाई करेगी और केंद्रीय संसदीय बोर्ड उसे मंज़ूरी देगा।

उन्होंने कहा, ''मैं ईमानदारी से मानता हूं कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने का इरादा रखती है। गठबंधन का स्वरूप और हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, इसका फ़ैसला प्रदेश इकाई करेगी, जिसका प्रस्ताव अंतिम मंज़ूरी के लिए केंद्रीय संसदीय बोर्ड को भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा, हम केंद्र और बिहार में राजग का हिस्सा हैं और निश्चित रूप से हम उत्तर प्रदेश में भी गठबंधन को मज़बूत करना चाहते हैं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिली कथित ऑनलाइन धमकी के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए पासवान ने कहा कि इस मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात है और इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए। चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, दुनिया भर में भारत का कद और उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, ज़ाहिर है, कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जिनके मन में उनके प्रति बुरी भावनाएं हों। उन्होंने कहा कि जो कोई भी ऐसी धमकियों के पीछे है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मदरसा आधुनिकीकरण संबंधी समिति की सिफारिशों के लिए खत्म नहीं हो रहा इंतजार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की मदरसा सुधार एवं आधुनिकीकरण परियोजना की सबसे अहम कड़ी मानी जाने वाली समिति की सिफारिशों के लिए इंतजार एक साल से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी खत्म नहीं हो सका है। मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम और मदरसों के संचालन संबंधी नियमावली में संशोधन जैसे व्यापक परिवर्तनकारी फैसले काफी हद तक इसी समिति की सिफारिशों पर निर्भर करेंगे। हालांकि, सरकार कह रही है कि समिति की रिपोर्ट जल्द सामने आएगी, लेकिन समय के बारे में कोई भी स्पष्टता नहीं है।

पिछले साल 30 मई को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एक समिति गठित की गई थी। इस समिति को 30 जून तक अपनी रिपोर्ट देनी थी लेकिन इस काम की व्यापकता को देखते हुए इसका कार्यकाल तीन महीने यानी अगस्त 2025 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। इसके बाद से लगभग 10 महीने गुजर जाने के बावजूद अभी इसकी रिपोर्ट का इंतजार बाकी है। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि समिति की रिपोर्ट ''बहुत जल्द'' सामने आएगी।

हालांकि, उन्होंने कोई समयसीमा नहीं बताई। अंसारी ने कहा कि उन्होंने सोमवार को समिति की बैठक बुलाई है, जिसमें रिपोर्ट को अंतिम रूप देने तथा कई अन्य पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

झारखंड में 1.92 करोड़ रुपये के गबन मामले में बैंक अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरिडीह/भाषा। झारखंड के गिरिडीह जिले में सार्वजनिक बैंक के एक अधिकारी के खिलाफ 1.92 करोड़ रुपये गबन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बैंक की इसरी बाजार शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक रह चुके आरोपी प्रदीप कुमार को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि रांची के हेसल निवासी प्रदीप कुमार पर बड़े पैमाने पर परिचालन संबंधी धोखाधड़ी करने और रिकॉर्ड में हेराफेरी करके 1.92 करोड़ रुपये से अधिक के गबन का आरोप है।

निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार ने कहा, बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक बिनोद कुमार से शिकायत मिलने के बाद हमने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने आरोपी से संपर्क किया तो उसने बताया कि वह बैंक को 63 लाख रुपये पहले ही लौटा चुका है।

वांगचुक की भूख हड़ताल का आठवां दिन, छह किलोग्राम वजन कम हुआ

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर यहां जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) का विरोध प्रदर्शन रविवार को 16वें दिन में प्रवेश कर गया। वहीं, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आठवां दिन है और उनका वजन अब तक लगभग छह किलोग्राम कम हो गया है। चिकित्सकों की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, वांगचुक का रक्तचाप 112/70 मिलीमीटर एचजी, हृदय गति 72 धड़कन प्रति मिनट और रक्त शर्करा का स्तर 67 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर दर्ज किया गया। बुलेटिन में कहा गया है कि उनके शरीर में पानी की मात्रा फिलहाल संतोषजनक है, उनकी मानसिक स्थिति पूरी तरह ठीक है और वजन घटकर 60.95 किलोग्राम रह गया है। सात दिन में उनका वजन लगभग छह किलोग्राम कम हुआ है।

शिक्षा को पैसे कमाने का उत्पाद न समझें : बंगाल के मुख्यमंत्री ने निजी संस्थानों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बनाए रखने के बारे में कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि निजी संस्थानों को अपने ''निवेश'' पर मुनाफा कमाते समय शिक्षा को सिर्फ पैसे कमाने का उत्पाद नहीं समझना चाहिए।

शनिवार शाम नागरिक समाज के सदस्यों से बातचीत के दौरान राज्य में विदेशी विश्वविद्यालयों को आकर्षित करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार किसी भी प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय के अच्छे प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, ''हम एक 'एजुकेशन सिटी' के बारे में सोच सकते हैं, जहां कई उच्च शिक्षण संस्थान हों। वहां सरकारी और निजी, दोनों तरह के विश्वविद्यालय हो सकते हैं। हम विदेशी विश्वविद्यालयों को भी आमंत्रित कर सकते हैं। अगर नामी विदेशी विश्वविद्यालय कोई अच्छा प्रस्ताव लेकर आते हैं, तो हम उस पर विचार करने के लिए तैयार हैं।''

हालांकि, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सिर्फ नामी संस्थानों को आकर्षित करना ही काफी नहीं होगा और उन्होंने उच्च शिक्षा के व्यावसायीकरण तथा कई निजी संस्थानों में पढ़ाई के स्तर में कथित गिरावट की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''निजी शिक्षण संस्थानों ने भारी निवेश किया है और स्वाभाविक रूप से वे मुनाफे की उम्मीद करते हैं। लेकिन शिक्षा को सिर्फ पैसे कमाने का उत्पाद नहीं समझना चाहिए।''

कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले जत्थे को मुख्यमंत्री धामी ने टनकपुर से रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंपावत/पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को चंपावत जिले के टनकपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर 'हर-हर महादेव' एवं 'बम-बम भोले' के जयघोष के बीच मुख्यमंत्री ने तीर्थयात्रियों का रुद्राक्ष की माला एवं भगवान शिव का पटका पहनाकर स्वागत किया तथा उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद भी किया।

अधिकारियों के मुताबिक, 49 श्रद्धालुओं का पहला जत्था दिल्ली से चलकर शनिवार शाम को टनकपुर पहुंचा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से ही श्रद्धालुओं को इस पवित्र यात्रा का अवसर प्राप्त होता है। यात्रा को सीमांत क्षेत्रों के लिए भी विकास और समृद्धि का माध्यम बताते हुए धामी ने कहा कि यह यात्रा सीमांत गांवों की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय जीवन से देशभर के लोगों को जोड़ती है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से स्थानीय हस्तशिल्प एवं उत्पादों की खरीद कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने का आह्वान किया। इससे पहले, टनकपुर पहुंचने पर श्रद्धालुओं का छोलिया नृत्य, पुष्पवर्षा, फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया। टनकपुर में शारदा पर्यटक आवास गृह के प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि प्रथम दल में एक चिकित्सक सहित कुल 49 तीर्थयात्री शामिल हैं, जिनमें 34 पुरुष एवं 15 महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि दल में आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के श्रद्धालु शामिल हैं। राजस्थान के 68 वर्षीय श्रद्धालु पुरुषोत्तम खंडेलवाल दल के सबसे वरिष्ठ तीर्थयात्री हैं, जबकि गुजरात के 21 वर्षीय हरिकृष्णा सबसे युवा श्रद्धालु हैं। श्रद्धालुओं का दल टनकपुर से चलकर रविवार शाम को पिथौरागढ़ जिले में स्थित आधार शिविर धारचूला पहुंचेगा और वहीं रात्रि विश्राम करने के बाद सोमवार की सुबह अगले पड़ाव गुंजी के लिए रवाना होगा। मुख्यमंत्री धामी के प्रयासों से लगातार दूसरे वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा का संचालन टनकपुर मार्ग से किया जा रहा है जो पहले की अपेक्षा अधिक सुगम है। इससे पहले, दिल्ली से चलकर श्रद्धालु हल्द्वानी पहुंचते थे और वहां से अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ होते हुए धारचूला पहुंचते थे। उधर, पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष भटगई ने बताया कि जिले में श्रद्धालुओं के खाने-पीने, ठहरने, स्वास्थ्य जांच और यात्रा के दौरान सुरक्षा से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

सुविचार

झुकने से अगर कोई रिश्ता बचता है झुक जाओ, लेकिन याद रहे कि हर बार आपको ही न झुकना पड़े।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ध्यान आकर्षित करने का खतरनाक खेल

भारत में कई लोग अपनी मांगें मनवाने के लिए विचित्र और खतरनाक तरीके अपना रहे हैं। यह चलन चिंताजनक है। ये लोग कभी टावर पर चढ़कर हंगामा करते हैं तो कभी पानी की ऊंची टंकी पर चढ़कर बवाल मचाते हैं। कुछ लोगों को अजीब खुराफात सूझ रही है। वे सनसनी फैलाने और प्रसिद्धि पाने के लिए टावर और टंकियों पर चढ़ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि सत्तर के दशक में आई एक मशहूर फिल्म के एक दृश्य से लोगों के मन में इस विचार का उदय हुआ था। हालांकि उससे पहले भी हंगामेबाज़ लोग अजीब तरीके ढूंढ़ लेते थे। ये खुद तो मुसीबत को न्योता देते ही हैं, दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एक 19 वर्षीय युवक 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसकी मांग थी कि गांव की ही एक युवती, जिससे उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था, के साथ उसकी शादी करवाई जाए। जो उम्र पढ़ने-लिखने और जीवन को सही दिशा देने की होती है, उसमें वह टावर पर चढ़कर शादी की ज़िद कर रहा था! अगर वह गिर जाता, हाथ-पांव तुड़वा बैठता तो सारा दोष सरकार पर डालता। ऐसे युवकों से देश क्या उम्मीद रखे? हरियाणा के सोनीपत में एक युवक ने 250 फीट ऊंचे टावर पर चढ़कर भारी हंगामा मचाया। उसकी जान बचाने के लिए प्रशासन को पूरे इलाके की बिजली बंद करनी पड़ी। यह नाटक लगभग पांच घंटे चला। इस दौरान बिजली गुल होने से लोग अपने घरों में परेशान रहे। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। आखिरकार उस युवक को नीचे उतारा गया। राजस्थान के किशनगढ़ में एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया, जिससे हड़कंप मच गया। उसे बचाने के लिए अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन उसने एक नहीं सुनी। उसने टंकी के अंदर छलांग लगा दी। उसे सुरक्षित उतारने के लिए क्रेन बुलाई गई। बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच से पता चला कि वह नशे में था।

राजस्थान के झालावाड़ जिले में पति से विवाद के बाद एक महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला अपने पीहर जाना चाहती थी, पति इससे इन्कार कर रहा था। घर का झगड़ा टंकी तक पहुंच गया। पुलिस ने काफी देर तक महिला को समझाया। उसके बाद वह नीचे उतरी। ऐसे लोगों ने टावर और टंकी को विरोध प्रदर्शन का केंद्र बना लिया है। बिहार में एक दंपति के बीच किसी तरह का क्लेश नहीं था। वह सिर्फ इस वजह से बिजली के टावर पर चढ़ गया, क्योंकि उसे प्रसिद्ध होना था। तुरंत चर्चा में आने की यह सनक पति-पत्नी को गहरे खतरे की ओर ले गई। आस-पास के लोग उन्हें देखने के लिए इकट्ठे हो गए। किसी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उन्हें चेतावनी देकर नीचे उतारा गया। अगर उनमें से किसी को करंट लग जाता तो पूरा गुस्सा सरकार पर उतारते। साथ ही, मुआवजा और सरकारी नौकरी मांगते। ऐसी हरकतें करने वाले सभी लोगों के खिलाफ प्रशासन को सख्ती से पेश आना चाहिए। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार सबको है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई व्यक्ति टंकी या टावर पर चढ़ जाए। ये स्थान प्रसिद्धि पाने के अड्डे नहीं हैं। सबसे पहले तो यहां ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि कोई व्यक्ति बिना अनुमति इन पर न चढ़ सके। अगर ऐसा कोई व्यक्ति टंकी या टावर पर चढ़ने में कामयाब हो जाता है, वहां हंगामा करता है, कूदने की धमकी देता है तो प्रशासन के पास ऐसी चीजों का इंतजाम होना चाहिए, जो उस परिस्थिति में व्यक्ति को सुरक्षित रखें। जब वह व्यक्ति नीचे उतर जाए तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों को जितनी परेशानी हुई, प्रशासन को जितनी मशक्कत करनी पड़ी, उसका खर्च संबंधित व्यक्ति से वसूल किया जाए। अगर ऊंची जगहों पर चढ़ने का इतना शौक है तो पर्वतारोही बन जाएं और संसार की बड़ी पर्वत चोटियों पर चढ़कर कीर्तिमान बनाएं। टावर और टंकी जनता की सुविधा के लिए हैं। इन पर चढ़कर हुड़दंग मचाने का अधिकार किसी को नहीं है।

ट्वीटर टॉक

बेंगलूरु ग्रामीण जिले के जिला प्रशासन कार्यालय में संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 14 फुट ऊंची भव्य कांस्य प्रतिमा का अनावरण -एआईसीसी अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में बहुत सम्मान के साथ किया गया।

-डीके शिवकुमार

छत्तीसगढ़ की मशहूर लोक कला पंडवानी की गायिका तीजन बाई जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। लोक संस्कृति को बचाने और बढ़ावा देने में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। भगवान उनकी पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

-दिया कुमारी

पद्म विभूषण से सम्मानित मशहूर पंडवानी सिंगर श्रीमती तीजन बाई जी के निधन की खबर बहुत दुख देने वाली है। उनका जाना भारतीय लोक कला और संस्कृति की दुनिया के लिए एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संकल्प से निखरी प्रतिभा

उन दिनों फ्रांस में क्रांति का दौर चल रहा था। तेरह साल की सोफी कमरे में बंद थी। सोफी ने पिता की लाइब्रेरी में गणित की पुस्तकें देखकर उन्हें पढ़ना शुरू किया। जल्दी ही वह कठिन से कठिन प्रश्न भी सुलझाने लगी। उन दिनों लड़कियों के लिए गणित पढ़ना अच्छा नहीं माना जाता था। पेरिस में 'इकोले पोलिटेक्निक' खुला। वहां पर महिलाओं को प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। सोफी से रहा नहीं गया। उसने छद्म नाम 'मोंसियूर ले ब्लांक' से अपने नोटस और शोध वहां के प्रोफेसरों को भेज दिए। उसके काम की सटीकता और शुद्धता देखकर महान गणितज्ञ जोसेफ-लुई लांग्रेज इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्होंने इस छात्र से मिलने की उत्कंठा जताई । छात्र 'मोंसियूर ले ब्लांक' के रूप में जब उन्होंने छात्रा सोफी जर्मन को देखा तो वे दंग रह गए। उन्होंने न केवल उसकी प्रतिभा का सम्मान किया, अपितु उसके गुरु भी बन गए। इस तरह सोफी ने अपनी गणित की प्रतिभा से पूरी दुनिया को चकित कर दिया। सोफी ने फर्माट का अंतिम प्रमेय सिद्ध करने के लिए एक मौलिक योजना तैयार की थी। गणित में योगदान के लिए उन्हें पेरिस विज्ञान अकादमी का 'ग्रैंड प्राइज' दिया गया।

सामयिक

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर सरकार बनाम सोशल मीडिया

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत तेजी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल का मिश्रण, जिसे ई-20 कहा जाता है। सरकार का दावा है कि इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से ई-20 को लेकर अनेक दावे और आशंकाएं सामने आई हैं। कहीं कहा गया कि इससे वाहन के इंजन जल्दी खराब हो जाएंगे, कहीं माइलेज में भारी गिरावट का दावा किया गया, तो कहीं यह तक कहा गया कि ऐसे ईंधन का उपयोग करने पर वाहन का बीमा अमान्य हो सकता है। इन दावों के बाद आम वाहन मालिकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। हाल ही में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इन दावों पर विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि ई-20 कार्यक्रम किसी जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नहीं है बल्कि यह वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय परीक्षणों और दुनिया के अनेक देशों के अनुभवों पर आधारित है। मंत्रालय का कहना है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे अधिकांश दावे भ्रामक हैं और लोगों को तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनानी चाहिए।

भारत में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम कोई नई पहल नहीं है। इसकी शुरुआत कई वर्ष पहले कम प्रतिशत मिश्रण के साथ हुई थी। समय के साथ एथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ी और सरकार ने मिश्रण का लक्ष्य भी बढ़ाया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत ने निर्धारित समय से पहले 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। सरकार का मानना है कि इससे पेट्रोलियम आयात पर होने वाला भारी खर्च कम होगा और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। साथ ही गन्ना, मक्का तथा अन्य फसलों से एथेनॉल उत्पादन होने के कारण किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध होगा। सबसे बड़ा विवाद इंजन की सुरक्षा को लेकर सामने आया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और पोस्ट में दावा किया गया कि ई-20 पेट्रोल से इंजन के धातु और रबर के पुर्जे तेजी से खराब हो जाते हैं। सरकार ने इन दावों को गलत बताते हुए कहा कि भारतीय अनुसंधान संस्थानों और वाहन निर्माताओं द्वारा किए गए परीक्षणों में ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला कि ई-20 से आधुनिक वाहनों के इंजन को गंभीर नुकसान पहुंचता है। मंत्रालय के अनुसार जिन वाहनों को ई-20 के अनुरूप बनाया गया है, उनमें इसका सुरक्षित उपयोग किया जा सकता है। हालांकि बहुत पुराने वाहनों में कुछ रबर या प्लास्टिक के पुर्जों का घिसाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है, लेकिन इसे व्यापक इंजन खराबी का प्रमाण नहीं माना जा सकता। माइलेज का मुद्दा भी चर्चा का विषय बना हुआ है। एथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल की तुलना में कुछ कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में ईंधन दक्षता में हल्की कमी आ सकती है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्री ने भी स्वीकार किया है कि माइलेज में मामूली गिरावट संभव है, लेकिन सरकार का कहना है कि यह इतनी अधिक नहीं होती कि वाहन संचालन पर बड़ा प्रभाव पड़े। दूसरी ओर कुछ उपभोक्ताओं का अनुभव इससे अलग भी रहा है और उन्होंने अधिक कमी महसूस होने की शिकायत की है। यही कारण है कि इस विषय पर सार्वजनिक बहस अभी भी जारी है। बीमा को लेकर फैली अफवाहों ने भी लोगों को परेशान किया। कई संदेशों में दावा किया गया कि यदि वाहन में ई-20 पेट्रोल का उपयोग किया गया तो दुर्घटना की स्थिति में बीमा कंपनी दावा स्वीकार नहीं करेगी। मंत्रालय ने इसे पूरी तरह भ्रामक बताया है। सरकार के अनुसार यदि वाहन निर्माता ने ई-20 उपयोग की अनुमति दी है या वाहन इस ईंधन के अनुरूप है, तो केवल ई-20 का उपयोग करने के कारण बीमा या वारंटी समाप्त नहीं होती। वाहन निर्माता कंपनियों ने भी इस संबंध में उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है।

एक और वायरल दावा था कि एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक पानी खर्च होता है और इससे जल संकट बढ़ जाएगा। कुछ संदेशों में एक लीटर एथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी खर्च होने की बात कही गई। सरकार ने इसे भी गलत बताया है। मंत्रालय के अनुसार आधुनिक डिस्टिलरी संयंत्रों में सीमित मात्रा में प्रसंस्कृत पानी का उपयोग होता है और उसका पुनर्चक्रण भी किया जाता है। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया पर बताए जा रहे आंकड़े वास्तविक औद्योगिक प्रक्रिया से मेल नहीं खाते। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि एथेनॉल में गन्ने से बनने के कारण शर्करा के अंश रहते हैं, जिससे चींटियां या अन्य कीट वाहन के आसपास आकर्षित हो सकते हैं। वैज्ञानिकों और सरकारी एजेंसियों ने स्पष्ट किया कि ईंधन के रूप में प्रयुक्त एथेनॉल अत्यधिक शुद्ध होता है और उसमें शर्करा नहीं होती। साथ ही ईंधन में ऐसे यौगिक भी मिलाए जाते हैं जो इसे सुरक्षित बनाते हैं। इसलिए इस प्रकार के दावे का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं पाया गया।

ई-20 को लेकर राजनीतिक विवाद भी कम नहीं रहा। हाल में सर्वोच्च न्यायालय में हुई एक सुनवाई के दौरान प्रयुक्त कुछ शब्दों को लेकर सोशल मीडिया पर यह धारणा बनाई गई कि स्वयं सरकार इसे एक प्रयोग मान रही है। बाद में सरकार ने स्पष्ट किया कि नीति पर सवाल नहीं उठाया गया था और संदर्भ एथेनॉल आपूर्ति से जुड़ा था। फिर भी इस घटना ने विवाद को और बढ़ा दिया। विपक्ष ने सरकार से अधिक पारदर्शिता और विस्तृत अध्ययन सार्वजनिक करने की मांग की, जबकि सरकार ने कहा कि नीति व्यापक परीक्षणों और विशेषज्ञों की सिफारिशों पर आधारित है। दुनिया के कई देशों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग वर्षों से किया जा रहा है। अमेरिका, ब्राजील और अन्य देशों में अलग अलग अनुपात में एथेनॉल मिश्रण सामान्य बात है। विशेष रूप से ब्राजील में तो फ्लेक्स फ्यूल वाहन लंबे समय से प्रचलन में हैं जो अलग अलग अनुपात के एथेनॉल मिश्रण पर आसानी से चलते हैं। भारत सरकार इसी अंतरराष्ट्रीय अनुभव का हवाला देते हुए कहती है कि यह तकनीक नई नहीं है बल्कि पहले से परखी हुई है। सरकार का यह भी तर्क है कि एथेनॉल मिश्रण केवल ऊर्जा नीति नहीं बल्कि कृषि और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा विषय है। जब घरेलू स्तर पर एथेनॉल का उत्पादन बढ़ता है तो गन्ना किसानों और अनाज उत्पादकों को अतिरिक्त बाजार मिलता है। इससे चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलता है। दूसरी ओर आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटने से विदेशी मुद्रा की बचत होती है। सरकार का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में एथेनॉल मिश्रण के कारण हजारों करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचाई जा चुकी है।

पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी ई-20 को लाभकारी बताया जा रहा है। एथेनॉल जैविक स्रोतों से तैयार होता है और इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का प्रयास किया जाता है। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञों का एक वर्ग यह भी कहता है कि केवल उत्सर्जन कम होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खेती, जल उपयोग और भूमि संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव का भी लगातार मूल्यांकन होना चाहिए। इसलिए यह विषय केवल तकनीकी नहीं बल्कि पर्यावरणीय संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि सभी वाहन एक जैसे नहीं होते। नए मॉडल के अधिकांश वाहन ई-20 के अनुरूप बनाए जा रहे हैं, जबकि पुराने वाहनों के लिए निर्माता की सलाह का पालन करना अधिक उचित माना जाता है। किसी भी नई तकनीक या ईंधन नीति के सफल होने के लिए केवल सरकारी घोषणा पर्याप्त नहीं होती बल्कि वाहन निर्माताओं, ईंधन कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच स्पष्ट संवाद भी आवश्यक होता है। यदि लोगों के मन में कोई संदेह है तो उसका समाधान वैज्ञानिक तथ्यों और पारदर्शी जानकारी के आधार पर किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के दौर में किसी भी विषय पर अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। कई बार अधूरी जानकारी या पुराने वीडियो नए संदर्भ में साझा कर दिए जाते हैं, जिससे भ्रम पैदा होता है। ई-20 के मामले में भी यही हुआ। सरकार ने कहा है कि अनेक वायरल वीडियो पुराने हैं या उनका इस नीति से कोई संबंध नहीं है। दूसरी ओर यह भी सच है कि यदि बड़ी संख्या में लोग किसी नीति को लेकर सवाल पूछ रहे हैं तो सरकार की जिम्मेदारी केवल अफवाहों का खंडन करना नहीं बल्कि निरंतर संवाद बनाए रखना भी है।

> **पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी ई-20 को लाभकारी बताया जा रहा है। एथेनॉल जैविक स्रोतों से तैयार होता है और इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का प्रयास किया जाता है। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञों का एक वर्ग यह भी कहता है कि केवल उत्सर्जन कम होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खेती, जल उपयोग और भूमि संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव का भी लगातार मूल्यांकन होना चाहिए।**

नजरिया

> **पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनैतिक दल की स्थापना की जो उस समय सबसे बडा विरोधी दल था। इस प्रकार अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ' का उद्भव हुआ।**

मां भारती के महान सपूत डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

एक देश में दो विधान दो प्रधान नहीं चलेंगे का नारा देने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक, भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष और माँ भारती के महान सपूत डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 6 जुलाई को 125 वीं जयंती है। डॉक्टर मुखर्जी अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी थे और चाहते थे कि कश्मीर पूरी तरह से भारत का हिस्सा बने और वहां अन्य राज्यों की तरह समान कानून लागू हो। डा. मुखर्जी के बलिदान के दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटा कर देश में एक विधान और एक निशान का उनका सपना पूरा कर दिया। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म करने की शुरुआत सबसे पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। बंगाल में भाजपा की विजय का मुखर्जी का एक और सपना साकार हुआ। राज्य सरकार जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में कोलकाता में 125 फुट ऊंची मूर्ति भी स्थापित करेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया था कि पूर्ववर्ती सरकारों ने बंगाल के सपूत डॉ. मुखर्जी की अनदेखी की और उचित सम्मान नहीं दिया, लेकिन मौजूदा सरकार उन्हें उचित सम्मान देगी। भाजपा सरकार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सरकारी अवकाश घोषित करने समेत उनकी स्मृति में कई कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है।

महान देशभक्त डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी शिक्षाविद के रूप में विख्यात थे। एक महान शिक्षाविद और चिन्तक होने के साथ-साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक भी थे। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के पश्चात श्री मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। सन 1924 में पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट में वकालत के लिए पंजीकरण कराया। 1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया जहाँ लिंकन्स इन से उन्होंने 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की।

डॉ मुखर्जी के राजनैतिक जीवन की शुरुआत सन 1929 में हुई जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर बंगाल विधान परिषद में प्रवेश किया परन्तु जब कांग्रेस ने विधान परिषद के बहिस्कार का निर्णय लिया तब उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके पश्चात उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और चुने गए। सन 1941-42 में वह बंगाल राज्य के वित्त मंत्री रहे। सन 1937 से 1941 के बीच जब कृषक प्रजा पार्टी और मुस्लिम लीग की साझा सरकार थी तब वो विपक्ष के नेता थे और जब फजलुल हक के नेतृत्व में एक प्रगतिशील सरकार बनी तब उन्होंने वित्त मंत्री के तौर पर कार्य किया पर 1 साल बाद ही इस्तीफा दे दिया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनैतिक दल की स्थापना की जो उस समय सबसे बडा विरोधी दल था। इस प्रकार अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ' का उद्भव हुआ। सन 1952 के चुनाव में भारतीय जन संघ ने कुल तीन सीटें जीती, जिसमे एक उनकी खुद की सीट शामिल थी।

डॉ मुखर्जी भारत के अकेले ऐसे नेता थे जिन्हें एक देश दो संविधान मंजूर नहीं था। उनके अप्रतिम संघर्ष के कारण ही आज कश्मीर भारत का भाग है। डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। समाज के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के साथ ही अखंड कश्मीर के खातिर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान सदैव हमारी स्मृतियों में रहेगा। डॉ. मुखर्जी धर्म के आधार पर विभाजन के कट्टर विरोधी थे।

मुखर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। 1929 में बंगाली लेजिस्लेटिव कांउसिल में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का 23 जून समृति दिवस है। इस दिन उनकी जम्मू कश्मीर जेल में उनकी मृत्यु हुई थी। उन्होंने एक राष्ट्र दो विधान दो संविधान का विरोध करते हुए बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। वहां पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। डा. मुखर्जी ने 40 दिन तक जेल जीवन की यातनायें सहन कीं। वहीं वे अस्वस्थ हो गये। 22 जून को प्रात 4 बजे उनको दिल का दौरा पड़ा। जनसंघ के उनके साथियों का मानना है उन्हें समय पर उचित चिकित्सा नहीं दी गयी परिणामस्वरूप अगले ही दिन 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में डा. मुखर्जी का देहान्त हो गया। राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान किया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की पंडवानी लोक कला को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई

रायपुर/भाषा।छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक गांव में 1960 के दशक के अंत में जब 13 साल की तीजन बाई ने एक अस्थायी मंच पर महाभारत की कथाएं सुनाईं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आदिवासी समुदाय की यह लड़की, जिसे कभी सबके सामने गाने-बजाने की वजह से समाज से अलग-थलग कर दिया गया था, एक दिन राज्य की पारंपरिक लोककथा गायन शैली 'पंडवानी' को पूरी दुनिया में पहचान दिलाएगी। मंच पर तंबूरे के साथ शानदार प्रस्तुति देने के लिए विख्यात तीजन बाई ने लोककथा कहने की कला को रंगमंच का रूप दे दिया। उनकी दमदार आवाज, शानदार हाव-भाव और प्रभावी उपस्थिति ने महाभारत के हर किरदार में जान डाल दी। मशहूर पंडवानी कलाकार तीजन बाई का लंबी बीमारी के बाद रविवार को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 70 साल की थीं।

तीजन बाई अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गई हैं, जिसने एक प्राचीन लोककथा गायन शैली (पंडवानी) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर लोककला में तब्दील कर दिया। पंडवानी' यानी पांडवों की आवाज महाभारत के किस्सों को नाटकीय शैली, गायन और वाद्य संगीत के साथ प्रस्तुत करने वाली एक विशिष्ट लोककला है। दुर्ग के गनियारी गांव में 1956 में एक गरीब पारधी आदिवासी परिवार में जन्म से लेकर दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक मंचों तक दमदार प्रस्तुति का तीजन बाई का सफर असाधारण दृढ़ता, मजबूत हौसले और कलात्मक उत्कृष्टता का प्रतीक है। तीजन बाई बचपन से ही अपने नाना बृजलाल को महाभारत के किस्से सुनाते हुए देखती आई थीं। वह उनकी प्रस्तुतियां देखते हुए इस महाकाव्य के किस्से याद करने लगीं।

लेखक धर्मेंद्र निर्मल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि एक ऐसे दौर में जब महिलाओं को 'पंडवानी' की प्रस्तुति देने से हतोत्साहित किया जाता था और अगर कोई महिला इस पारंपरिक लोककथा गायन शैली की प्रस्तुति देने का फैसला करती भी थी, तो वह शांत वेदमती' शैली में बैठकर गाती थी, तीजन बाई ने नाटकीय कापालिक' शैली को चुना, जो पारंपरिक रूप से पुरुषों के लिए निर्धारित थी। निर्मल (51) ने छत्तीसगढ़ी भाषा में तीजन बाई की जीवनी 'तीजन गाथा' लिखी है, जिसका विमोचन पिछले साल हुआ था। उन्होंने बताया कि तीजन बाई को बचपन में अपने परिवार और समुदाय के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा था। निर्मल के मुताबिक, तीजन बाई की शादी बचपन में ही हो गई थी और जब वह 12 साल की हुईं और उनके ससुरालवाले 'गौने' की रस्म के लिए आए, तो उन्होंने 'पंडवानी' गायन छोड़ने की शर्त मानने से इनकार कर दिया, जिससे उनका रिश्ता टूट गया। उन्होंने बताया कि आखिरकार तीजन बाई को समाज से बहिष्कृत कर दिया गया और उन्हें घर छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। निर्मल के अनुसार, एक झोपड़ी में अकेले रहकर पड़ोसियों से मिलने वाली मदद से गुजारा करते हुए तीजन बाई ने 'पंडवानी' गायन जारी रखा। तीजन बाई को पद्म श्री (1987), पद्म भूषण (2003) और पद्म विभूषण (2019) के साथ-साथ संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और कई अन्य सम्मान मिले। विशेषज्ञों ने कहा कि तीजन बाई के निधन के साथ भारतीय लोक कलाओं के एक युग का अंत हो गया है।

विवाह

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान रविवार को मुंबई में अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में फैशन स्टाइलिस्ट गौरी स्पैट के साथ विवाह के बंधन में बंधे।

12 साल बाद संगीत की दुनिया में लौटे हंस राज हंस, कमबैक का अनुभव किया शेयर

मुंबई/एजेन्सी

गायक से राजनेता बने हंस राज हंस ने एक दशक से अधिक समय बाद संगीत की दुनिया में अपनी वापसी को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। अपने सफर को याद करते हुए हंस राज हंस ने बताया कि दोस्तों के प्यार और हौसले ने उन्हें अपने नए गाने 'ओहदियां खेदां' के साथ फिर से संगीत की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया। संगीत में वापसी को लेकर उन्होंने आईएएनएस से कहा, मेरा ध्यान संगीत से हट गया था। मैंने शोबिज छोड़कर राजनीति का रास्ता चुना, जिसे मैं समाज और देश की सेवा मानता हूं। इसी वजह से मेरे गायन में 12-13 साल का लंबा अंतर आ गया। उन्होंने आगे कहा, फिर मैंने सोचा कि अब मुझे अपने सभी कामों से रिटायर हो जाना चाहिए, लेकिन मेरे दोस्त संजीव आनंद ने कहा कि लोग आज भी मेरे गाने सुनना चाहते हैं। मैंने उनसे कहा कि मैं तो रोज गाता हूं। तब उन्होंने कहा कि मुझे फिर से लोगों के बीच आना चाहिए। उनकी बात मानकर मैंने अपना नया गाना 'ओहदियां खेदां' रिलीज किया।उनके नए गाने के बोल संजीव आनंद ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत अमदाद अली ने तैयार किया है। यह गाना 'आनंद रिकॉर्ड्स' के बैनर तले रिलीज किया गया है।

'लॉक अप 2' में फराह-रितेश की एंट्री पर कंगना रनौत का रिएक्शन, 'दोनों सख्त जेलर'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कंगना रनौत रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए वापस आ गई हैं। हालांकि, इस बार वह 'जजमेंट डे' एपिसोड में जूरी के तौर पर 'जनता की आवाज' बनेंगी। कंगना शो के जेलर्स, फराह खान और रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी, जो लगातार कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब कर रहे हैं और यह पक्का कर रहे हैं कि कोई भी झूठ या बहाना नजरअंदाज न हो। रियलिटी शो में जेलर्स के तौर पर फराह और रितेश के असरदार काम की तारीफ करते हुए 'क्वीन' एक्ट्रेस ने कहा कि ये दोनों कंटेस्टेंट्स के साथ बहुत निष्पक्ष रहे हैं। साथ ही टास्क के मामले में वे बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हैं।सीजन 1 में शो की होस्ट रहीं कंगना ने कहा, फराह और रितेश ने 'लॉक अप' में वही अधिकार और तेवर दिखाया है, जिसकी इसे जरूरत थी। कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब करते समय वे निष्पक्ष, निडर और बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'जनता की आवाज' के तौर पर, मैं इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए यहां आई हूं। दर्शक हर हरकत देख रहे हैं और अब उनकी आवाज सुनने का समय आ गया है। मेरा यकीन मानिए, नया एपिसोड हर किसी को चर्चा करने पर मजबूर कर देगा। इससे पहले शो का दोबारा हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, यह शो हमेशा अपने सच को स्वीकार करने के बारे में रहा है, चाहे वह कितना भी असहज क्यों न हो। 'लॉक अप: सच या सजा' के पहले एलिमिनेशन के लिए इस वीकेंड जूरी या 'जनता की आवाज' के तौर पर फराह और रितेश के साथ जुड़ते हुए, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि हर पसंद की एक कीमत होती है। उससे पहले 'लॉक अप सीजन 2' के लॉन्च पर बात करते हुए, प्रोड्यूसर एकता कपूर ने बताया कि कंगना रियलिटी शो की होस्ट के तौर पर क्यों वापस नहीं आ रही हैं। एकता ने समझाया, शो का पूरा फॉर्मेट, पूरा विजन और डेमोग्राफिक बदल गया है। हमारे पास जो जेलर-जज फॉर्मेट था, वह भी बदल गया है। ओरिजिनल शो की कोई भी चीज नहीं रखी गई है। न तो जेलर और न ही होस्ट। इसलिए पुरानी चीजों को रखने से ब्रांडिंग का नयापन नहीं आता। इसलिए मुझे यकीन है कि कंगना समझ गई होंगी।

ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए तीन बेटे

तेहरान। ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा है। रविवार को खामेनेई के तीन बेटों ने और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों ने ताबूत के पास प्रार्थना की लेकिन उनके उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई नहीं दिखाई दिए। सरकारी टीवी पर मुस्तफा, मेसम और मसूद खामेनेई को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला (एक बड़े धार्मिक परिसर) के विशाल आंगन में रखे ताबूतों के पीछे प्रार्थना करते हुए दिखाया गया। धार्मिक शासन वाले देश के प्रति लोगों की श्रद्धा और क्रांतिकारी जोश दिखाने के लिए इस्लामिक रिपब्लिक खामेनेई के लिए एक हफ्ते तक बड़े पैमाने पर अंतिम संस्कार जुलूस निकाल रहा है। इसमें उनके पार्थिव शरीर को पड़ोसी देश इराक में शिया धार्मिक स्थलों पर ले जाना भी शामिल है। वरिष्ठ ईरानी नेताओं और विदेशी अधिकारियों के दर्शन के लिए एक दिन तक घर के अंदर रखे जाने के बाद शनिवार को खामेनेई के ताबूत को बाहर शीशे के नीचे रखा गया। उनके साथ उनकी बेटी, दामाद, बहू और 14 महीने की पोती के ताबूत भी रखे गए थे।

स्वागत

तेलुगु फिल्म अभिनेत्री भैरवी आराध्या डेका का रविवार को असम के कामरूप जिले में उनके गृहनगर हाजो के पाकोर कुना गांव पहुंचने पर स्थानीय निवासियों और परिवार के सदस्यों द्वारा पारंपरिक रूप से भव्य स्वागत किया गया।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात, निभाएंगी निगेटिव किरदार

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है। नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की। शीना चौहान ने कहा, मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।

रवीना टंडन ने शेयर किया 'वेलकम टू द जंगल' का अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार रवीना टंडन ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अपने पुराने दोस्तों और को-स्टार्स अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के साथ फिर से काम करने के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि इस फिल्म पर काम करना किसी 'शूट' से ज्यादा एक 'मजेदार रीयूनियन' जैसा लगा। इस मल्टी-स्टारर एंटरटेनर फिल्म के बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा कि ऐसे एक्टर्स के साथ काम करना जो 'पुराने दोस्तों' जैसे हैं, इस अनुभव को और भी मजेदार बनाता है। उन्होंने कहा, जिन ज्यादातर एक्टर्स के साथ मैंने काम किया, वे मेरे पुराने दोस्त हैं। उनके साथ शूटिंग करना किसी मजेदार गेट-टुगेदर जैसा था और काम करते-करते हमने एक अच्छी फिल्म बना ली। इतने बड़े और अनुभवी कास्ट को इतनी आसानी से संभालने के लिए मैं अहमद को क्रेडिट देना चाहूंगी। 'वेलकम टू द जंगल' की बात करें तो इस फिल्म को अहमद खान ने डायरेक्ट किया है।

'वेलकम टू द जंगल' पॉपुलर 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की लेटेस्ट फिल्म है और इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, फरीदा जलाल, किरण कुमार, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पटानी, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, मीका सिंह और कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

एक्ट्रेस ने पहले बताया था कि कैसे जैकलीन फर्नांडीज और दिशा पटानी के साथ उनकी बॉन्डिंग एक स्ट्रीट डॉग के पिल्ले की देखभाल करने के दौरान बनी, जो बाद में उनके परिवार का हिस्सा बन गया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि रवीना का अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी दोनों के साथ लंबे समय से प्रोफेशनल रिश्ता रहा है उन्होंने 90 के दशक की कई हिट फिल्मों में अक्षय के साथ काम किया, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'बारूद' और 'पुलिस फ़ोर्स: एन इनसाइड स्टोरी' शामिल हैं। सुनील शेट्टी के साथ, एक्ट्रेस ने 'दिलवाले', 'विनाशक', 'रक्षक', 'आक्रोश' जैसी फ़िल्मों में काम किया है।

अगर खाने में जहर या मिलावट हो तो इंसान की सारी मेहनत बेकार हो जाती है : निर्देशक चेतन

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक चेतन की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' खाद्य सुरक्षा (फूड सेफ्टी) के मुद्दे पर लोगों को सोचने पर मजबूर करती है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान चेतन ने के साथ बातचीत में बताया कि यह कहानी हर भारतीय परिवार को प्रभावित करने वाले खतरे को सामने लाती है। से बात करते हुए निर्देशक चेतन ने कहा, लोग दिन-रात मेहनत करके अपने घर का खाना कमाते हैं, लेकिन अगर वही खाना जहरीला या मिलावटी हो जाए, तो उनकी पूरी मेहनत बेकार हो जाती है। मेरा मानना है कि यह सिर्फ एक व्यक्तिगत समस्या नहीं है, अगर खाने में किसी तरह की मिलावट या जहर हो, तो यह सीधे बच्चों और परिवार के बाकी सदस्यों की सेहत पर असर डाल सकता है। चेतन ने कहा, यह फिल्म हर परिवार के लिए बनाई गई है और इसका मकसद लोगों को जागरूक करना है। फिल्म में यह दिखाया गया है कि खाने की सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं कितनी गंभीर हैं और हमें किन बातों पर ध्यान देना चाहिए। यह कहानी डराने के लिए नहीं, बल्कि लोगों को समझाने के लिए है कि सावधानी क्यों जरूरी है और कैसे हम अपने खाने को सुरक्षित रख सकते हैं।उन्होंने आगे कहा, फिल्म देखने के बाद दर्शक इस मुद्दे की गंभीरता को महसूस करेंगे। यह फिल्म लोगों को सोचने पर मजबूर कर देगी और वे अपने रोजमर्रा के खाने को लेकर और ज्यादा सतर्क हो जाएंगे। फिल्म का उद्देश्य यह दिखाना है कि समाज में मौजूद ये समस्याएं कितनी गहरी हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में अभिनेता श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म खास तौर पर उन मुद्दों पर आधारित है, जिनमें पेस्टिसाइड का इस्तेमाल और खाने में मिलावट जैसे गंभीर विषय शामिल हैं।फिल्म में काजल अग्रवाल एक वकील 'अर्चना' की भूमिका निभा रही हैं, जो एक आम नागरिक के साथ मिलकर उन बड़ी कंपनियों के खिलाफ लड़ाई लड़ती हैं जिन पर लोगों की जिंदगी खतरे में डालने का आरोप होता है।

रोहित माखीजा की फिल्म 'ओमलो' अब ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

कान्स से लेकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों तक छाई राजस्थानी-हिंदी फिल्म 3 जुलाई को वेव्स ओटीटी पर आएगी कोटा। राजस्थान की मिट्टी की सोंधी खुशबू और लोक संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुंचाने वाली राजस्थानी-हिंदी फिल्म ओमलो अब डिजिटल दुनिया में अपनी नई शुरुआत करने जा रही है। कोटा के फिल्म निर्माता रोहित माखीजा से जुड़ी यह चर्चित फिल्म 3 जुलाई 2026 को वेव्स ओटीटी पर रिलीज होगी। प्रतिष्ठित कान्स फिल्म मार्केट में अपनी स्क्रीनिंग के बाद फिल्म को देश और विदेश में लगातार सराहना मिली और अब यह वैश्विक यात्रा के बाद सीधे दर्शकों के घरों तक पहुंचेगी। ओमलो अपनी भावनात्मक कहानी और राजस्थान की संस्कृति के जीवंत चित्रण के कारण लगातार चर्चा में रही है। फिल्म बीकानेर के श्री डूंगरगढ़ स्थित धोळिया गांव में पूरी तरह शूट की गई है और इसकी खास बात यह है कि इसमें राजस्थान के स्थानीय कलाकारों और वास्तविक किरदारों को शामिल किया गया है। फिल्म एक सात वर्षीय बच्चे और एक ऊंट की समान परिस्थितियों में गुजरती जिंदगी के जरिए दर्द, संघर्ष और समाज की सोच को बेहद संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत करती है।

फिल्म ने अपनी प्रभावशाली कहानी और प्रस्तुति के दम पर देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी। अमेरिका के अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म पुरस्कार मिला। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का सम्मान हासिल किया।नई दिल्ली फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार मिले, जबकि गोल्डन ज्यूरी अवॉर्ड्स में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सम्मान से नवाजा गया। बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ओमलो ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।इसके अलावा विंध्य इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला, वहीं ग्लोबल बेंगलुरु फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार पुरस्कार अपने नाम किए।

फिल्म निर्माता रोहित माखीजा ने कहा, 'ओमलो' हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि राजस्थान की संस्कृति, भावनाओं और यहां की मिट्टी से जुड़ा एक सपना है। हमें गर्व है कि हमारी फिल्म ने कान्स जैसे प्रतिष्ठित मंच तक अपनी पहचान बनाई और देश-विदेश में दर्शकों का प्यार हासिल किया। अब वेव्स ओटीटी के माध्यम से यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी, जिससे राजस्थान की संस्कृति और यहां की कहानियों को और बड़ा मंच मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा, मेरा हमेशा मानना रहा है कि क्षेत्रीय कहानियों में वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने की ताकत होती है। 'ओमलो' की यात्रा ने यह साबित किया है कि अगर कहानी दिल से कही जाए तो उसकी पहुंच सीमाओं से कहीं आगे तक जाती है। राजस्थानी भाषा, लोक संस्कृति और संवेदनशील सामाजिक भावनाओं से जुड़ी ओमलो अब अपनी वैश्विक यात्रा के बाद ओटीटी पर एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही है।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की वार्षिक सभा 9 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा शनिवार को बिहार भवन में कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें वर्ष 2026 से संबंधित विभिन्न कार्यों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय ने की। बैठक का संचालन परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस सत्र की वार्षिक साधारण सभा 9 अगस्त को आयोजित की जाएगी जिसमें नई कार्यकारिणी समिति का चयन किया जाएगा।

कोषाध्यक्ष अध्यक्ष मिंटू दुबे ने आय-व्यय से संबंधित, ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिश्चंद्र झा ने बिहार भवन की मरम्मत से संबंधित विचार व्यक्त किए। बैठक में मरम्मत कार्य को शीघ्र शुरू करने का निर्णय लिया गया जिसका कार्यभार ट्रस्टी मोहन झा को सौंपा गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष उदय कुमार ने परिषद समिति के नवीकरण हेतु विचार व्यक्त किए जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस बैठक में ट्रस्ट सचिव राजेश्वर सिंह ने धन्यवाद दिया। सहसचिव दीपेश कुमार ने पूरी व्यवस्था संभाली।

'आत्मविश्वास व सम्मान है महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार'

जीतो महिलाओं ने आयोजित की ऑनलाइन बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो)साउथ लेडीज़ विंग द्वारा दुबई चैप्टर, अपेक्स एवं केकेजी ज़ोन के सहयोग से पहचान वर्टिकल के अंतर्गत ऑनलाइन कार्यक्रम 'अनस्टॉपेबल मी' का आयोजन किया। साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जब एक महिला अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान लेती है, तब वह केवल अपना जीवन ही नहीं बदलती, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बन जाती है। केकेजी ज़ोन की संयोजिका पिंकी जैन, मुख्य सचिव दिलीप जैन, दुबई चैप्टर के चेयरमैन विपिन जैन, मुख्य सचिव निसर्ग जैन आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। ङ्गकार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं वेडिंग एवं इवेंट प्लानर प्रीति जैन ने कहा कि सफलता पाने के लिए सबसे पहले स्वयं पर विश्वास करना आवश्यक है।

उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपना श्रम शत प्रतिशत दें और निःसंकोच स्वयं जैसी हैं, वैसी ही रहे। ङ्गउन्होंने आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रत्येक महिला के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का आधार बताते हुए कहा कि आर्थिक रूप से सक्षम बनना किसी को कुछ सिद्ध करने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन अपेक्स पहचान वर्टिकल की संयोजिका मोनिका सुराणा ने किया। सहसंयोजिका नीलम सांड ने प्रश्नों की उत्तर दिए।

आऊवा महिलाओं की बैठक में 'चातुर्मास' पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आऊवा महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू चंडालिया की अध्यक्षता में चामराजपेट में बैठक का आयोजन हुआ। चातुर्मास के महत्त्व के संदर्भ में आयोजित इस बैठक में बिंदु रायसोनी ने चातुर्मास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा इस काल को तप, धर्म, ध्यान करने का समय बताया। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि किसी भी व्यक्ति को उपवास, तप अथवा धार्मिक आराधना करने से हतोत्साहित न करें, बल्कि उसके सदप्रयासों का सदैव उत्साहवर्धन करें। कार्यक्रम में रेपिडोएप्प के माध्यम से स्वयं राइड बुक करने की उपयोगी जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

बैठक में आगामी दिसंबर माह में आऊवा में आयोजित होने वाले आऊवा सम्मेलन महोत्सव की तैयारियों एवं सहभागिता को लेकर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में मंडल की मंडल के पूर्वाध्यक्ष कांता रायसोनी, दुर्गा सुराणा, शारदा पावेचा और उपाध्यक्ष मधु पावेचा सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। हर्षा चोपड़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह में है अटूट श्रद्धा व सच्चे प्रेम का संदेश : कथा वाचक राजनंदिनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में रविवार को कथा वाचिका राजनंदिनीजी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि रुक्मिणी विवाह केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि अटूट श्रद्धा, सच्चे प्रेम, विश्वास और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण का दिव्य संदेश है। जब भक्त सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करते है, तो स्वयं भगवान उसकी रक्षा और कल्याण के लिए उपस्थित हो जाते हैं। कथा के दौरान रुक्मिणी विवाह की मनोहारी झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

भगवान श्रीकृष्ण की बारात, मंगल गीतों, पुष्पवर्षा और जयघोषों के बीच संपन्न हुए दिव्य विवाह का दृश्य देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। महिलाओं ने पारंपरिक मंगलगीत गाए, श्रद्धालुओं ने भक्ति-भाव से नृत्य किया और पूरा कथा पंडाल मानो द्वारका नगरी में परिवर्तित हो गया।

कथा के उपरांत सामूहिक महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर संगठन के बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह, व्हाइटफ़ील्ड के अध्यक्ष आशुतोष सिंह, आयोजन सचिव संजय सिंह एवं उनकी टीम उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने रविवार को शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष व समाजसेवी तेजराज शर्मा के बेंगलूरु के कोरमंगला स्थित निवास पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम जानी। प्रवीण सूद ने शर्मा के स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

श्याम कृपा परिवार यलहंका द्वारा द्वितीय सावन झूला महोत्सव 9 अगस्त को

तैयारी बैठक में पोस्टर का किया गया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्री श्याम कृपा परिवार यलहंका द्वारा पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस गोल्फ सभागार में आगामी 9 अगस्त को खाटूवाले श्रीश्याम बाबा का द्वितीय सावन झूला महोत्सव खाटू धाम के महंतश्री मोहनदास महाराज के सान्निध्य में मनाया जाएगा। इस अवसर पर शनिवार को सदस्यों द्वारा एक पोस्टर का विमोचन तथा बैठक का आयोजन किया गया। इस सावन झूला महोत्सव में पंजाब के भजन गायक विशाल शैली और राजस्थान के चिराग गोयल एवं स्थानीय गायक कलाकार बाबा का गुणगान करेंगे। ङ्गबैठक में संस्था के सदस्य सुरेंद्र गीदड़ा ने बताया कि कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस मौके बाबा का मनमोहक श्रंगार, श्याम अखाड़ा, बाबा का झूला, अलौकिक शीश के दर्शन कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण होंगे। इत्र वर्षा के लिए विशेष रूप से दिल्ली की टीम आमंत्रित की गई है। इस महोत्सव में छोटे छोटे बच्चों के लिए 'मेरो लाल नन्हो गोपाल, मेरी दुलारी राधा प्यारी' नामक विशेष कार्यक्रम रखा गया है। सुभाष कानसरिया, महावीर भोपाल, केदारनाथ मितल, प्रहलाद गर्ग, विनोद गर्ग सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में संकल्प समारोह व गौपूजा आयोजित

आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वर के सान्निध्य में हुआ आयोजन

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ एवं दक्षिण शांतिसूरि तीर्थ, जाजूर, अरसीकेरे में रविवार को पद्मश्री गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के सान्निध्य में संकल्प समारोह एवं तीर्थ धाम में स्थित गौशाला में गौपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। तीर्थ के संस्थापक अध्यक्ष अशोककुमार सुराना, सचिव मांगीलाल मेहता, प्रबंध ट्रस्टी विजयकुमार सुराना आदि ने संतों का स्वागत किया। आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संकल्प कराए और कहा कि जैन श्रमण का जीवन संयम, करुणा, अहिंसा और आत्मशुद्धि के साथ सभी का कल्याण चाहता है। जीवन का वास्तविक वैभव सदाचार, संस्कार और धर्ममय जीवन में है। हर परिवार में धर्म, विनय और संस्कार आवश्यक हैं। सभी को अपने जीवन में धर्म और सेवा को सर्वोपरि महत्व देना चाहिए। उन्होंने दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में संचालित निःशुल्क भोजनशाला, गौशाला एवं मानव सेवा कार्यों हेतु ट्रस्ट की सराहना भी की।

मुनिराज मोक्षानंदविजयजी ने तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की विशेष महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि वर्तमान में 24 तीर्थंकर में सबसे अधिक मंदिर तीर्थंकर पार्श्वनाथ के हैं। पन्यासश्री धर्मशीलविजयजी, मुनि धरणेन्द्रविजयजी, ज्ञानानंदविजयजी तथा परमानंदविजयजी का भी साथ ही मंगल पदार्पण हुआ। तीर्थ के अध्यक्ष अशोककुमार सुराना ने बताया कि रविवार को लीलाचंद राठौड़ परिवार ने गौपूजन किया। इस मौके पर सभी लाभार्थियों को धन्यवाद दिया गया। समारोह नाकोड़ा भैरव आराधना चैरिटेबल ट्रस्ट एवं शांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न सभा संस्थाओं के सदस्यों सहित बेंगलूरु टिपटूर, बाणावर, बिरुर आदि स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धाल सम्मिलित हुए।

परमार्थ से पाप कटते है, पुण्य के भंडार भरते है : आचार्य विमलसागरसूरी

पेद्दा गोलकोंडा/दक्षिण भारत। शहर स्थित ज्ञान सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में 2500 वर्ष पुरानी मगध की ऐतिहासिक घटनाओं का विश्लेषण करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने मनुष्य के स्वार्थपरक जीवन और उसके परिणाओं की मार्मिक विवेचना की। विविध हिन्दू संगठनों और फ्यूचर सिटी के अनेक गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वार्थ और साधना, दोनों साथ-साथ नहीं चलते। जहां स्वार्थ होता हैं, वहां कभी साधना तो क्या, सज्ञनता भी उपस्थित नहीं रहती। स्वार्थ अंधा होता है। वह स्वयं के अलावा किसी को नहीं देखता। स्वार्थवृत्ति ही जगत के दुःखों का महत्वपूर्ण कारण है। स्वार्थी मनुष्य भगवान को भूल जाता है, गुरु के साथ द्रोह कर सकता है, धर्म को छोड़ सकता है, समाज को छिन्नभिन्न कर सकता है, परिवार को तबाह कर सकता है, संबंधों को आग लगा सकता है। स्वार्थ को कोई परहेज नहीं होता। इसलिए धर्मशास्त्रों में कहा है कि स्वार्थी मनुष्य नरकगामी होते हैं। ऐसे दुर्जन तत्वों की वक्त पर कोई सहायता करने नहीं आता। स्वार्थवृत्ति एक न एक दिन मनुष्य को खून के आंसू रुलाती है। दुनिया परमार्थियों को याद करती हैं, स्वार्थियों को कोसती हैं। स्वार्थी मनुष्य पर कोई विश्वास नहीं करता। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आज संसार में जितनी समस्याएं और विषमताएं हैं, उनमें कमोबेश स्वार्थ की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए यह कहना होगा कि निःस्वार्थ मनुष्य वास्तव में वंदनीय हैं। ज्ञानचर्चा सत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि देव-गुरु-धर्म की भक्ति सद गुणों की प्राप्ति के लिए हैं। गुणों के विकास के बिना अवगुणों का अपने आप नाश नहीं होगा।

पारसमणी बने गणेश बाग संघ के नए अध्यक्ष, सुरेन्द्र बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी बावीस संप्रदाय जैन संघ ट्रस्ट गणेश बाग शिवाजीनगर की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का चयन हुआ। चुनाव अधिकारी मनोज सोलंकी व सहचुनाव अधिकारी प्रवीण धोखा के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इस मौके पर एडवोकेट के. अश्विन कामत भी उपस्थित थे। पारसमणी रूणवाल को अध्यक्ष, सुरेश चोरड़िया को उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र रूणवाल को मंत्री, किशोर गादिया को सहमंत्री, वसंतराज पोरवाल को कोषाध्यक्ष, कांतिलाल पोरवाल, त्रिलोकचंद कटारिया, अशोक पोरवाल, पंकज कटारिया, मदन रूणवाल एवं शांतिलाल देवड़ा को कमिटी सदस्य नियुक्त किया गया। नए अध्यक्ष पारसमणी रूणवाल ने सभी ट्रस्टियों एवं सदस्यों को धन्यवाद दिया। सोहनलाल देवड़ा, शांतिलाल खबिया एवं निर्मल पोरवाल को मार्गदर्शक नियुक्त किया। मंत्री सुरेन्द्र रूणवाल ने सभी से सहयोग के अपेक्षा की और ट्रस्ट के कार्य को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने का आश्वासन किया। पंकज कटारिया ने मंच का संचालन किया। विनोद पोरवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

स्कूली शिक्षा के साथ आध्यात्मिक एवं अच्छे संस्कार अति आवश्यक : साध्वी पावनप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। साध्वीश्री पावनप्रभाजी रविवार को कॉस्टाउन स्थित सरदारमल सुराणा के निवास पहुंची और वहां पर उपस्थित पाठशाला के ज्ञानार्थियों को प्रवचन देने के बाद जीवनहल्ली स्थित महावीर मुथा के निवास पर पहुंची, जहां तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल उपस्थित सभी जनों को चातुर्मास के दौरान प्रवचन में बड़ी संख्या में शामिल होने का निवेदन किया। सभा के मंत्री सुभाष पोखरणा ने सभा की गतिविधियों की जानकारी दी। सहमंत्री सुरेश मांडोत ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर साध्वीश्री ने कहा कि बच्चों में स्कूली शिक्षा के साथ आध्यात्मिक एवं अच्छे संस्कारों का समावेश हो ताकि शुभ भविष्य का निर्माण हो सके। सभा के सहमंत्री राजेंद्र बैद ने साध्वीश्री के आगामी विहार यात्रा की जानकारी दी। कार्यक्रम में नवनीत मुथा, अशोक कोठारी, गौतम मुथा सहित बनशंकरी, हनुमंतनगर, शिवाजीनगर, इंदिरानगर,शांतिनगर, कामराज रोड आदि अनेक क्षेत्रों से श्रावक श्राविका की उपस्थित थे।

शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर के द्वारोद्घाटन पश्चात प्रभु दर्शनार्थ उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय नवनिर्मित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट, सोलस-2 में गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज), आचार्यश्री अरिहंत सागरजी एवं अनेक साधु साध्वियों की निश्रा में अंजनशलाका महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद भोरवेला (ब्रह्ममुहूर्त) में मंगल मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के द्वार का उद्घाटन संपन्न हुआ। प्रतिष्ठा के पश्चात सूरज-कुशलराज गुलेच्छा, रेखा-किशोर जैन द्वारा द्वारोद्घाटन किया गया,जिसके बाद भक्तों को पार्श्वनाथ प्रभु के नयनाभिराम दर्शन का सौभाग्य मिला। इस मौके पर शांतिलाल नागौरी, राजू सुजानी, प्रतीक गुलेच्छा, अर्पित जैन, रोहित मेहता, नन्दा मेहता, ललित डाकलिया के साथ मंदिर पेढ़ी के अनेक ट्रस्टी उपस्थित थे।

इस अवसर पर आचार्यश्री ने अपने मांगलिक प्रवचन में मंदिर की महत्ता और जिन शासन की सेवा पर बल देते हुए कहा कि जिनालय आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का पावन माध्यम है। प्रतिष्ठा और द्वारोद्घाटन के बाद अब यह क्षेत्र भक्ति और ऊर्जा का एक बड़ा केंद्र बनेगा। समारोह के समापन पर ट्रस्ट मंडल ने सभी सहयोगियों व सदस्यों को धन्यवाद दिया।

शिष्टाचार भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

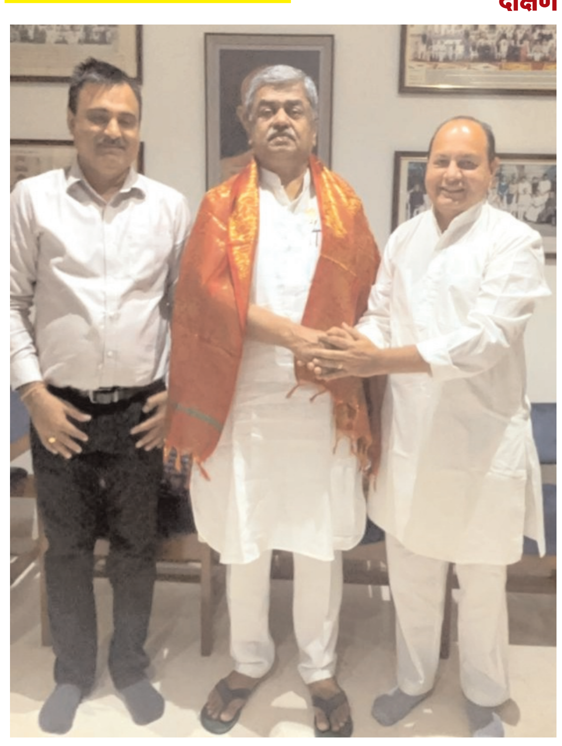

प्रवासी राजस्थानियों की ओर से कांग्रेस जिला महासचिव बिशन सिंह राजपुरोहित वीराना एवं कार्यकर्ता लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद से शिष्टाचार भेंट की तथा ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण चुनावों पर चर्चा की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**